A'bad-Mum bullet train project

100% land acquisition complete, says NHSRCL

The Rs 1.1 lakh crore high-speed Ahmedabad-Mumbai rail line was expected to be completed by 2022 but faced hurdles in land acquisition

Ahmedabad Mirror Bureau
feedback@ahmedabadmirror.com
Posts @ahmedabadmirror

The government has set a target to run the first phase of the bullet train between Surat and Bilimora in south Gujarat by the year 2026

The National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Monday said it has completed 100% land acquisition for the Mumbai-Ahmedabad Rail Corridor, popularly known as the bullet train project, across Gujarat, Maharashtra and Dadra and Nagar Haveli.

Railways Minister Ashwini Vaishnaw also shared the status of land acquisition on X, saying the entire 1389.49 hectares of land required for the project has been acquired. The high-speed rail line is being built between Mumbai and Ahmedabad.

The NHSRCL, in a release, said that all civil contracts for the project were awarded for Gujarat and Maharashtra, while 120.4 km of girders had been launched and 271 km of pier casting completed.

"The laying of the first reinforced concrete (RC) track bed for the MAHSR corridor track system, as used in Japanese Shinkansen, has started in Surat and Anand. This is for the first time the J-slab ballastless track system is being used in India," the release stated.

The NHSRCL said it has achieved a remarkable milestone with the completion of the first mountain tunnel 350 metres long and 12.6 metres in diameter located near Zaroli village in the Valsad district of Gujarat in just 10 months.

The first steel bridge, spanning 70 meters and weighing 673 MT, was erected across NH 53 in Surat, and 16 such bridges out of 28 are in various stages of fabrication, it said.

The bridge construction has been completed on six rivers out of 24 on the MAHSR corridor, at Par (Valsad district), Purna (Navsari district), Mindhola (Navsari district), Ambika (Navsari district), Auranga (Valsad district) and Venganiya (Navsari district), the release stated. The work on the Narmada, Tapti, Mahi and Sabarmati rivers is underway, it added. Work has started for India's first 7 km undersea rail tunnel, which is a part of the 21 km-long tunnel between the Bandra Kurla Complex and Shilphata in Maharashtra, and excavation works for the construction of Mumbai HSR station has begun, it said.

HSR stations in Gujarat's Vapi, Bilimora, Surat, Bharuch, Anand, Vadodara, Ahmedabad and Sabarmati are in various stages of construction, the NHSRCL said. The Rs 1.10 lakh crore project was expected to be completed by 2022 but faced hurdles in land acquisition. The government has set a target to run the first phase of the bullet train between Surat and Bilimora in south Gujarat by 2026.

MORNING STANDARD, Delhi, 9.1.2024
Page No. 7, Size:(8.94)cms X (6.35)cms.

Completed 100% land acquisition for 1st bullet train corridor, says Vaishnaw

RAJESH KUMAR THAKUR @ New Delhi

RAILWAYS Minister Ashwini Vaishnaw said on Monday that the Bullet Train project has successfully acquired 100% of the required 1389.49 hectares of land, with the majority in Gujarat (951.14 hectares), followed by Maharashtra (430.45 hectares) and Dadra and Nagar Haveli (7.90 hectares).

It is a milestone for India's National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) which is handling the project. Phase one of the bullet train corridor will run between Mumbai and Ahmedabad, spanning Gujarat, Maharashtra, and Dadra and Nagar Haveli.

In addition, the NHSRCL reported that all civil contracts for the project have been awarded in Gujarat and Maharashtra. Significantly, 120.4kms of girders have been launched and 271kms of pier casting completed. A notable accomplishment includes the construction of a 350-meter-long mountain tunnel near Zaroli village in Gujarat within 10 months.

Civil contracts awarded in Gujarat, Maharashtra

The NHSRCL reported that all civil contracts for the project have been awarded in Gujarat and Maharashtra. They have also achieved impressive progress, with 120.4kms of girders launched and 271kms of pier casting completed.

Furthermore, the project marked the erection of the first steel bridge, spanning 70 meters, across NH 53 in Surat, with more bridges in various stages of fabrication. Work on six river crossings, including Par, Purna, Mindhola, Ambika, Auranga, and Venganiya, has been completed, while progress continues on the Narmada, Tapti, Mahi, and Sabarmati rivers. Noise barriers are being installed along the viaduct to minimize operational noise.

The project has commenced work on India's first 7-km undersea rail tunnel, part of the 21-km tunnel between the Bandra Kurla Complex and Shilphata in Maharashtra.

AAJ, Lucknow, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(2.01)cms X (5.98)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए भूमि के अधिग्रहण का काम पूरा

अहमदाबाद। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने कहा है कि उसने बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर के लिए 100 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण कर लिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी एक्स पर भूमि अधिग्रहण की जानकारी को शेयर करते हुए कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक 1389.49 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जा रही है। एनएचएसआरसीएल ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले के जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीने में पूरा कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

AMAR UJALA, Delhi, 9.1.2024
Page No. 14, Size:(14.19)cms X (6.22)cms.

योजना

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मेगा प्रोजेक्ट की मौजूदा स्थिति साझा की, कहा-1389.49 हेक्टेयर भूमि पर बिछेगी लाइन

508 किमी लंबे मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन ट्रैक के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा

अहमदाबाद। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लि. (एनएचएसआरसीएल) ने मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन ट्रैक के लिए भूमि अधिग्रहण का काम पूरा कर लिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर परियोजना की मौजूदा स्थिति की जानकारी देते हुए बताया कि 508 किमी लंबे ट्रैक के लिए गुजरात, महाराष्ट्र व दादरा नगर हवेली में कुल 1,389.49 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण किया गया है।

वैष्णव ने बताया कि 120.4 किमी तक गर्डर्स लॉन्च किए जा चुके हैं, जबकि 271 किमी में ढलाई पूरी हो चुकी है। एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए जापानी शिंकानसेन तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। यह पहली बार है कि भारत में जे स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

मुंबई से अहमदाबाद मार्ग पर तैयार होता बुलेट ट्रेन ट्रैक। एजेंसी

एनएचएसआरसीएल ने परियोजना की जानकारी देते हुए बताया कि गुजरात के वलसाड जिले के जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहाड़ी सुरंग के निर्माण का काम केवल 10 महीनों में पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा सूरत में एनएच 53 पर 70 मीटर लंबा और 673 टन वजन वाला स्टील का पुल बनाया गया है। 28 में से ऐसे 16 पुल निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं। एजेंसी

24 में से छह पुल तैयार

एमएएचएसआर ने बताया कि ट्रैक के रास्ते में 24 जगहों पर छह नदियों को पार करने के लिए पुलों का निर्माण पूरा हो चुका है। इसके अलावा कुछ जगहों पर काम जारी है। संचालन के दौरान ट्रेन और नागरिक संरचनाओं द्वारा उत्पन्न शोर को कम करने के लिए वायाडक्ट के दोनों ओर शोर अवरोधक लगाए जा रहे हैं।

- भारत की पहली 7 किमी लंबी समुद्री रेल सुरंग पर भी काम चल रहा है। यह सुरंग महाराष्ट्र में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किमी लंबी सुरंग का एक हिस्सा है।

- हाई-स्पीड रेल लाइन जापान की शिंकानसेन तकनीक का उपयोग करके बनाई जा रही है।
- परियोजना के लिए जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन ने 88,000 करोड़ का आसान ऋण उपलब्ध कराया है।
- 1.10 लाख करोड़ की यह परियोजना 2022 तक पूरी होनी थी, लेकिन कोविड और भूमि अधिग्रहण में बाधाओं की वजह से अब 2026 तक सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का पहला चरण चलाने का लक्ष्य रखा है।

DAINIK BHASKAR, Delhi, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(2.28)cms X (2.80)cms.

बुलेट ट्रेनः भूमि अधिग्रहण का काम 100 फीसदी पूरा

अहमदाबाद| मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर भूमि अधिग्रहण 100% पूरा हो गया है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, दादरा व नगर हवेली में जमीन अधिग्रहीत की गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, परियोजना के लिए 1389.49 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहीत की गई है।

DAINIK BHASKAR, Surat, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(5.68)cms X (15.04)cms.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए हुआ 100 फीसदी भूमि अधिग्रहण

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर | सूरत

मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड बुलेट रेल परियोजना के लिए अब गुजरात के बाद महाराष्ट्र में भी भूमि अधिग्रहण का काम 100 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। केंद्रीय रेलमंत्री अश्वनी वैष्णव ने इसे बड़ा माइल स्टोन बताया है। इस परियोजना में अब तक गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल अनुबंध दे दिए गए हैं। 120.4 किमी के गर्डर लॉन्च किए गए हैं और 271 किमी की पिलर्स की कास्टिंग पूरी हो चुकी है। गुजरात, डीएनएच और महाराष्ट्र में 100% भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है। जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले हाई स्पीड कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए पहले रीइंफोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड बिछाने का कार्य सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है, जब भारत में जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। वलसाड के जारोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग का काम सिर्फ 10 महीने में पूरा किया गया। सूरत में एनएच 53 पर 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजनी पहला स्टील ब्रिज बनाया गया है। ऐसे 28 में से 16 पुल निर्माण के अलग-अलग चरणों में हैं। हाई स्पीड कॉरिडोर पर 24 नदी पुलों में से छह नदियों औरंगा और पार (वलसाड), वेंगनिया, पूर्णा, मिंढोला और अंबिका (नवसारी) पर पुल का निर्माण किया जा चुका है। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती जैसी अन्य नदियों पर कार्य प्रगति पर है। वायडक्ट के दोनों ओर नॉइज बैरियर्स लगाए जा रहे हैं।

भूमि अधिग्रहण की स्थिति

गुजरात	100%
डीएनएच	100%
महाराष्ट्र	100%

DAINIK BHASKAR, Shimla, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(5.75)cms X (7.06)cms.

बुलेट ट्रेनः भूमि अधिग्रहण का काम 100 फीसदी पूरा

अहमदाबाद| मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर भूमि अधिग्रहण 100% पूरा हो गया है। बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए गुजरात, महाराष्ट्र, दादरा व नगर हवेली में जमीन अधिग्रहीत की गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा, परियोजना के लिए 1389.49 हेक्टेयर भूमि की जरूरत थी। इसे पूरा अधिग्रहीत कर लिया गया है।

DAINIK JAGRAN, Delhi, 9.1.2024
Page No. 11, Size:(2.58)cms X (9.59)cms.

अब पूरी गति से दौड़ेगा हाई स्पीड बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

राज्य, अहमदाबाद : अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलने वाली देश की पहली हाईस्पीड बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य सौ प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे जापान के सहयोग से शुरू किया गया है। वर्ष 2026 में इसका पहला चरण पूरा होगा।

नेशनल हाईस्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार, अहमदाबाद से वापी तक कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कारिडोर में 24 नदियां आती हैं। इनमें से छह नदियों पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। जबकि नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत समुद्र के नीचे रेल सुरंग के लिए काम शुरू हो गया है। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, गुजरात के वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरुच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती में एचएसआर स्टेशन का काम तेज गति से पूर्ण होने को है।

परियोजना के लिए 271 किलोमीटर ट्रैक ढलाई का कार्य पूरा हो चुका है। जापानी तकनीक से कंक्रीट ट्रैक बेड को बिछाने का काम किया जा रहा है।

DAINIK JAGRAN, Rastriya Sanskaran, 9.1.2024
Page No. 3, Size:(6.14)cms X (8.08)cms.

अब तेजी से दौड़ेगा अहमदाबाद-मुंबई हाई स्पीड बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

राज्य ब्यूरो, अहमदाबाद

- इसके लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य भी सौ प्रतिशत पूरा
- इस परियोजना के अंतर्गत समुद्र के नीचे रेल सुरंग के लिए काम शुरू

अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलने वाली देश की पहली हाई स्पीड बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य सौ प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे जापान के सहयोग से शुरू किया गया है। वर्ष 2026 में इसका पहला चरण पूरा होगा।

नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार, अहमदाबाद से वापी तक कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कारिडोर में 24 नदियां आती हैं। इनमें से छह नदियों पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। जबकि नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत समुद्र के नीचे रेल सुरंग के लिए काम शुरू हो गया है। यह भारत की पहली ऐसी सुरंग होगी।

परियोजना के लिए 271 किलोमीटर ट्रैक ढलाई का कार्य पूरा हो चुका है। जापानी तकनीक से कंक्रीट ट्रैक बेड को बिछाने का काम किया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले के जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीनों में पूरा कर लिया है। 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल सूरत में राष्ट्रीय राजमार्ग-53 पर बनाया गया है। देश की पहली हाई स्पीड रेल लाइन की लागत 1.08 लाख करोड़ रुपये है। ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 350 किमी प्रति घंटा होगी। इसके 2022 तक पूरा होने की उम्मीद थी, लेकिन भूमि अधिग्रहण में बाधा आने से काम में देरी हुई।

DIVYA BHASKAR, Surat, 9.1.2024
Page No. 2, Size:(5.44)cms X (6.07)cms.

Land acquisition for bullet train 100 % complete

બુલેટ ટ્રેન માટે જમીન સંપાદન 100% પૂર્ણ

એજન્સી | અમદાવાદ

ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, દાદરા અને નગરહવેલી માટેના બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે મુંબઈ-અમદાવાદ રેલવે કોરિડોર માટે 100% જમીનનું સંપાદન પૂર્ણ થયું છે તેવું નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશન લિમિટેડે જણાવ્યું હતું. રેલવેમંત્રી અશ્વિની વૈષ્ણવે પણ સોશિયલ મીડિયા પ્લેટફોર્મ X પર જમીન સંપાદનની જાણકારી શેર કરી છે. અત્યારે સુધી બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે જરૂરી 1389.49 હેક્ટર જમીનનું સંપાદન પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું છે.

DIVYA BHASKAR, Ahmedabad, 9.1.2024
Page No. 2, Size:(5.44)cms X (6.07)cms.

Land acquisition for bullet train 100 % complete

બુલેટ ટ્રેન માટે જમીન સંપાદન 100% પૂર્ણ

એજન્સી | અમદાવાદ

ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, દાદરા અને નગરહવેલી માટેના બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે મુંબઈ-અમદાવાદ રેલવે કોરિડોર માટે 100% જમીનનું સંપાદન પૂર્ણ થયું છે તેવું નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશન લિમિટેડે જણાવ્યું હતું. રેલવેમંત્રી અશ્વિની વૈષ્ણવે પણ સોશિયલ મીડિયા પ્લેટફોર્મ X પર જમીન સંપાદનની જાણકારી શેર કરી છે. અત્યારે સુધી બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે જરૂરી 1389.49 હેક્ટર જમીનનું સંપાદન પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું છે.

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(8.66)cms X (6.76)cms.

Bullet train: 100% land acquisition

OUR CORRESPONDENT / MUMBAI

In a significant development, the Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail (MAHSR) corridor has achieved a major milestone, with the completion of 100 per cent land acquisition for the ambitious project. As of January 8, 2024, all necessary land parcels in Gujarat, Dadra and Nagar Haveli (DNH) and Maharashtra have been successfully acquired, paving the way for the rapid advancement of this transformative infrastructure initiative.

Confirming the development, a senior official of the National High Speed Rail Corporation said, "The project has reached a crucial stage, with all civil contracts awarded for the Gujarat and Maharashtra sections of the corridor. This marks a substantial step forward in the overall development of the high-speed rail network.

"Over 120.4km of girders have been launched, and more than 50 per cent i.e. 271km of pier casting has been completed, showcasing the project's commitment to efficient and robust construction methodologies," he said. Apart from that, the laying of the Reinforced Concrete (RC) track bed has commenced in Surat and Anand. The innovative Japanese Shinkansen-inspired track system is being introduced for the first time in India and reflects the commitment towards adopting cutting-edge technologies.

Additionally, another significant achievement includes the completion of the first mountain tunnel, measuring 350 metres in length and with a diameter of 12.6 metres, near Zaroli Village in Valsad, Gujarat, accomplished in just 10 months. CONTD. ON NATION

FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(8.66)cms X (6.76)cms.

Bullet train: 100% land...

STEEL BRIDGE ERECTION: The first steel bridge, spanning 70 metres and weighing 673MT, has been built across NH 53 in Surat, Gujarat.

RIVER BRIDGES: Bridge works on six rivers, of a total of 24 river bridges on the MAHSR corridor have been also completed. Work on India's first 7km-long undersea rail tunnel, a part of the 21km-long tunnel between the Bandra-Kurla Complex and Shilphata in Maharashtra, is also underway. Similarly, construction works on all eight high-speed rail (HSR) stations in Gujarat are underway, with significant progress in the foundation work. In Maharashtra, 99 per cent of the secant pile work is complete at the Mumbai HSR station and substantial progress has been made in the excavation work.

The National High Speed Rail Corporation is eyeing the start of bullet train operations between Surat and Bilimora in 2026.

"The Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail Corridor is poised to revolutionise rail travel in India, offering unprecedented speed and efficiency. The successful completion of land acquisition sets the stage for accelerated construction activities, bringing the dream of high-speed rail connectivity between Mumbai and Ahmedabad one step closer to reality. As the project progresses, it is expected to not only enhance transportation infrastructure but also contribute significantly to economic development and regional connectivity," said the spokesperson of the National High Speed Rail Corporation.

DIVYA BHASKAR, VAPI, 9.1.2024
Page No. 2, Size:(5.44)cms X (6.07)cms.

Land acquisition for bullet train 100 % complete

બુલેટ ટ્રેન માટે જમીન સંપાદન 100% પૂર્ણ

એજન્સી | અમદાવાદ

ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર, દાદરા અને નગરહવેલી માટેના બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે મુંબઈ-અમદાવાદ રેલવે કોરિડોર માટે 100% જમીનનું સંપાદન પૂર્ણ થયું છે તેવું નેશનલ હાઈસ્પીડ રેલવે કોર્પોરેશન લિમિટેડે જણાવ્યું હતું. રેલવેમંત્રી અશ્વિની વૈષ્ણવે પણ સોશિયલ મીડિયા પ્લેટફોર્મ X પર જમીન સંપાદનની જાણકારી શેર કરી છે. અત્યારે સુધી બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે જરૂરી 1389.49 હેક્ટર જમીનનું સંપાદન પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું છે.

GUJARAT GUARDIAN, Ahmedabad, 9.1.2024
Page No. 5, Size:(23.11)cms X (8.72)cms.

The bullet train will materialize quickly; Commencement of sea tunnel operations

બુલેટ ટ્રેનઝડપથી સાકાર થઈ જશે; દરિયામાં ટનલની કામગીરીનો પ્રારંભ

વાપી, બીલીમોરા, સુરત, ભરૂચ, આણંદ, વડોદરા, અમદાવાદ અને સાબરમતીમાં સ્ટેશન નિર્માણનું કાર્ય અંતિમ તબક્કા તરફ: વલસાડ નજીક ટનલ નિર્માણનું કાર્ય પૂર્ણ

અમદાવાદ, સુરત, તા.૮

મુંબઈ- અમદાવાદ હાઈ સ્પીડ કોરિડોર(બુલેટ ટ્રેન)નો પ્રોજેક્ટ પૂરજોશથી આગળ વધી રહ્યો છે. આ હાઈ સ્પીડ કોરિડોર માટે જમીન સંપાદનનું 100 ટકા કામ પૂર્ણ થઈ ચૂક્યું છે. ગયા વર્ષે અનેકવિધ કાર્યો પૂર્ણ કરવામાં આવ્યા હતા અને આ વર્ષની શરૂઆતથી ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્રમાં બુલેટ ટ્રેનનું કામ ઝડપથી થઈ રહ્યું છે.

ગુજરાતમાં બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની પ્રગતિ અંગે વાત કરીએ તો કુલ 352 કિ.મી. વાયડક્ટ, 343 કિ.મી. પાઈલ, 294.5 કિ.મી. ફાઉન્ડેશન, 271 કિ.મી. પિયર(સ્ટેશનો સહિત), 268.5 કિ.મી. પિયર(સ્ટેશન સિવાયના), 152 કિ.મી. ગર્ડર કાસ્ટિંગ, 120.4 કિ.મી. વાયડક્ટ(ગર્ડર લોન્ચિંગ)નું કામ પર 20 ક્રોસિંગ જેમાં 17 ગુજરાતમાં 11 મહારાષ્ટ્રમાં લોંગ સ્પેનની સ્ટીલ સ્ટ્રક્ચરથી બ્રિજ બનાવવામાં આવશે.

- બુલેટ ટ્રેન માટે કુલ જમીન 1389.49 હેક્ટર
- ગુજરાતમાં 951.14 હેક્ટર સંપૂર્ણ સંપાદન
- દાદરા અને નગર હવેલી 7.90 હેક્ટર સંપૂર્ણ સંપાદન
- મહારાષ્ટ્રમાં 430.45 હેક્ટર સંપૂર્ણ સંપાદન

ગુજરાતમાં વાપી, બિલીમોરા, સુરત, ભરુચ, આણંદ, વડોદરા,

● અનુસંધાન પાના ૮ ઉપર

પ્રથમ અંડર સી વોટર ટનલનું કામ શરૂ

ભારતની પ્રથમ 7 કિમી લાંબી અન્ડર સી રેલ ટનલ પર કામ શરૂ થઈ ગયું છે, જે મહારાષ્ટ્રના BKC અને શિલફાટા વચ્ચેની 21 કિમી લાંબી ટનલનો એક ભાગ છે. મુંબઈ એચએસઆર સ્ટેશનના નિર્માણ માટે ખોદકામની કામગીરી શરૂ થઈ ગઈ છે.

HAMARA MAHANAGAR, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(3.65)cms X (6.03)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का काम पूरा

अहमदाबाद। हाई स्पीड (बुलेट ट्रेन) रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड ने सोमवार को बताया कि उसने मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर के लिए गुजरात, महाराष्ट्र और दादर और नगर हवेली में जमीन अधिग्रहण का काम 100 प्रतिशत पूरा कर लिया है। रेल मंत्री वैष्णव ने बुलेट ट्रेन के लिए भूमि अधिग्रहण की स्थिति शेयर की। उन्होने कहा कि प्रोजेक्ट के लिए जरूरत की पूरी 1389.49 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जा रही है।

GUJARAT MITRA, Surat, 9.1.2024
Page No. 5, Size:(17.77)cms X (10.36)cms.

Bullet Train Land acquisition work in Maharashtra 100 percent complete

બુલેટ ટ્રેનઃ મહારાષ્ટ્રમાં જમીન સંપાદનનું કામ 100 ટકા પૂર્ણ

ગુજરાતના તમામ 8 એચએસઆર સ્ટેશન વાપી, બીલીમોરા, સુરત, ભરૂચ, આણંદ, વડોદરા, અમદાવાદ અને સાબરમતી સ્ટેશનો માટે ફાઉન્ડેશનની કામગીરી પૂર્ણ

સુરતઃ મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે મહારાષ્ટ્રમાં પણ જમીન સંપાદનની કામગીરી 100 ટકા પૂર્ણ થઈ ગઈ છે. આ સાથે ગુજરાત,મહારાષ્ટ્ર અને દાદરાનગર હવેલીમાં જમીન સંપાદનનું કામ 100 ટકા પૂર્ણ થઈ ચૂક્યું હોવાથી હવે બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનું કામ વધુ ઝડપથી થશે. અત્યાર સુધીમાં વાયડક્ટ પુલ માટે 120.4 કિલોમીટરના ગર્ડલ લોન્ચ થઈ ગયા છે.

ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્ર માટે તમામ સિવિલ કોન્ટ્રાક્ટરોને કોન્ટ્રાક્ટ અપાઈ ગયા છે. આખા પ્રોજેક્ટના વાયડક્ટ પુલ માટે 120.4 કિ.મી. ના ગર્ડરને લોન્ચ કરવામાં આવ્યા છે અને 271 કિ.મી.નું પિયર કાસ્ટિંગ પૂર્ણ કરવામાં આવ્યું છે. ગુજરાત, દાદરાનગર હવેલી અને મહારાષ્ટ્રમાં 100% જમીન સંપાદન કાર્ય પૂર્ણ થયું છે. જાપાનીઝ શિંકનસેનમાં ઉપયોગમાં લેવાતી એમએએચએસઆર કોરિડોર ટ્રેક સિસ્ટમ માટે પ્રથમ રિઈન્ફોર્સ્ડ કોંક્રિટ (આરસી) ટ્રેક બેડ પાથરવાની શરૂઆત સુરત અને આણંદમાં થઈ ગઈ છે. ભારતમાં પહેલીવાર જે-સ્લેબ બેલાસ્ટલેસ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ કરવામાં આવી રહ્યો છે. ભારતની પ્રથમ 7 કિલોમીટરની દરિયા નીચેનું રેલ બોગદું કે જે મહારાષ્ટ્રમાં બીકેસી અને શિલફાટા વચ્ચે 21 કિલોમીટર લાંબા બોગદાંનો એક ભાગ છે, તેના માટે કામનો શુભારંભ થઈ ચૂક્યો છે. મુંબઈ એચએસઆર સ્ટેશનના નિર્માણ માટે ખોદકામનું કામ શરૂ કરવામાં આવ્યું છે. વિવિધ રાજ્ય અને અલગ-અલગ સ્તરે કાર્ય પ્રગતિમાં છે. ગુજરાતમાં વાયડક્ટ પુલની કુલ લંબાઈ 352 કિલોમીટર છે. ગુજરાતના તમામ 8 એચએસઆર સ્ટેશન (વાપી, બીલીમોરા, સુરત, ભરૂચ, આણંદ, વડોદરા, અમદાવાદ અને સાબરમતી) પર કામગીરી નિર્માણના વિવિધ તબક્કાઓ હેઠળ છે. તમામ 8 એચએસઆર સ્ટેશનો માટે ફાઉન્ડેશનની કામગીરી પૂર્ણ થઈ છે. વાપી સ્ટેશન - રેલ લેવલ સ્લેબ (200 મીટર)નું કામ પૂર્ણ થયું છે બીલીમોરા સ્ટેશન - 288 મીટરના રેલ સ્તરના સ્લેબનું કાસ્ટિંગ પૂર્ણ થયું છે સુરત સ્ટેશન - કોન્કોર્સ સ્લેબ અને રેલ લેવલ સ્લેબ (450 મીટર)નું કામ પૂર્ણ થયું છે. પ્લેટફોર્મ લેવલ સ્લેબનું કાસ્ટિંગ શરૂ થયું છે અને 557 મીટર કાસ્ટિંગ કરવામાં આવ્યું છે. આણંદ સ્ટેશન - કોન્કોર્સ સ્લેબ અને રેલ સ્તરનો સ્લેબ (425 મીટર) પૂર્ણ થયું છે. 124 મીટરનો પ્લેટફોર્મ લેવલ સ્લેબ પૂર્ણ થયો છે. અમદાવાદ સ્ટેશન - કોન્કોર્સ સ્લેબ (435 મીટર)નું કામ પૂર્ણ થયું છે.સુરત ડેપો - ફાઉન્ડેશન અને સુપર સ્ટ્રક્ચરના કામો પૂર્ણ થઇ ગયા છે. સાબરમતી ડેપો - ખોદકામ પૂર્ણ થયું છે; ઓએચઈ ફાઉન્ડેશનનું કામ ચાલુ છે.

HARI BHOOMI, Delhi, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(8.69)cms X (20.00)cms.

पहली बुलेट ट्रेन को लेकर खुशखबर

रेल कॉरिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने कहा है कि उसने बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर के लिए 100 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण कर लिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी एक्स पर भूमि अधिग्रहण की जानकारी को शेयर करते हुए कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक 1389.49 हेक्टेयर ▶▶ शेष पेज 5 पर

■ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी जानकारी

रेल कॉरिडोर के लिए ...

भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जा रही है। एनएचएसआरसीएल ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले के जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीने में पूरा कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसमें कहा गया है कि 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल सूरत में एनएच-53 पर बनाया गया था। इसी के तहत 28 में से 16 ऐसे पुलों का निर्माण विभिन्न चरणों में हैं। इस कारिडोर पर 24 में से छह नदियों पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है।

HARI BHOOMI, Bhopal, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(15.33)cms X (19.47)cms.

पहली बुलेट ट्रेन को लेकर खुशखबर

रेल कॉरिडोर... के लिए 100% भूमि अधिग्रहण पूरा

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने कहा है कि उसने बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर के लिए 100 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण कर लिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी एक्स पर भूमि अधिग्रहण की जानकारी को शेयर करते हुए कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक 1389.49 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल लाइन बनाई ▶▶ शेष पेज 6 ¹

■ रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी जानकारी

रेल कॉरिडोर ...

जा रही है। एनएचएसआरसीएल ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले के जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीने में पूरा कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसमें कहा गया है कि 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल सूरत में एनएच-53 पर बनाया गया था। इसी के तहत 28 में से 16 ऐसे पुलों का निर्माण विभिन्न चरणों में हैं। इस कारिडोर पर 24 में से छह नदियों पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है।

LOKMAT, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 4, Size:(5.54)cms X (4.35)cms.

100 % Land acquisition completed for Bullet train project: Railway Minister Ashwini Vaishnav

बुलेट ट्रेनसाठी १०० टक्के भूसंपादन : रेल्वेमंत्री वैष्णव

लोकमत न्यूज नेटवर्क

मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे काम दोन्ही राज्यात वेगात सुरू आहे. गुजरातमधील स्थापत्य कामे वेगात सुरू असून आता दोन्ही राज्यातील जमीन अधिग्रहण १०० टक्के पूर्ण झाले असल्याची माहिती केंद्रीय रेल्वेमंत्री अश्विनी वैष्णव यांनी सोमवारी दिली.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी एकूण १३८९.४९ हेक्टर जमिनीची आवश्यकता होती. यामध्ये गुजरात राज्यात ९५१.१४ हेक्टर, डहाणूमध्ये ७.९० हेक्टर तर महाराष्ट्रात ४२९.७१ हेक्टर जमिनीचे अधिग्रहण करायचे होते. गेल्या वर्षी गुजरातमध्ये १०० टक्के आणि महाराष्ट्रात ९६ टक्के भूसंपादन करून नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड बुलेट ट्रेनचे काम जोरदार सुरू केले होते. उर्वरित जमीन अधिग्रहणाबाबत प्रक्रिया पूर्ण झाली आहे. स्वतः रेल्वेमंत्री अश्विनी वैष्णव यांनी सोमवारी आपल्या एक्स अकाऊंटवरून ही माहिती दिली आहे.

INDIAN EXPRESS, Ahmedabad, 9.1.2024
Page No. 10, Size:(5.27)cms X (10.82)cms.

100% land acquisition completed for bullet train project: NHSRCL

PRESS TRUST OF INDIA
AHMEDABAD, JANUARY 8

THE NATIONAL High Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) on Monday said it has completed 100 per cent land acquisition for the Mumbai-Ahmedabad Rail Corridor, popularly known as the bullet train project, across Gujarat, Maharashtra and Dadra and Nagar Haveli.

Railways Minister Ashwini Vaishnaw also shared the status of land acquisition on X, saying the entire 1389.49 hectare of land required for the project has been acquired. The high-speed rail line is being built between Mumbai and Ahmedabad.

The NHSRCL, in a release, said that all civil contracts for the project were awarded for Gujarat and Maharashtra, while 120.4 km of girders had been launched and 271 km of pier casting completed.

"The laying of the first reinforced concrete (RC) track bed for the MAHSR (Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail) corridor track system, as used in Japanese Shinkansen, has started in Surat and Anand. This is for the first time the J-slab ballastless track system is being used in India," the release stated.

The NHSRCL said it has achieved a remarkable milestone with the completion of the first mountain tunnel 350 m long and 12.6 m in diameter located near Zaroli village in Valsad district in just 10 months. The first steel bridge, spanning 70 m and weighing 673 MT, was erected across national highway 53 in Surat, and 16 such bridges out of 28 are in various stages of fabrication, it added.

The bridge construction has been completed on six rivers out of 24 on the MAHSR corridor, at Par and Auranga in Valsad, as well as at Purna, Mindhola and Ambika and Venganiya in Navsari, the statement said. The work on the Narmada, Tapti, Mahi and Sabarmati rivers is underway, it added

Work has started for India's first 7-km undersea rail tunnel, which is a part of the 21 km-long tunnel between the Bandra Kurla Complex and Shilphata in Maharashtra, and excavation works for the construction of Mumbai HSR station has begun, it said. HSR stations in Gujarat's Vapi, Bilimora, Surat, Bharuch, Anand, Vadodara, Ahmedabad and Sabarmati are in various stages of construction, the NHSRCL said.

The Rs 1.1-lakh crore project was expected to be completed by 2022 but faced hurdles in land acquisition. The government has set a target to run the first phase of the bullet train between Surat and Bilimora in south Gujarat by 2026.

MAHARASHTRA TIMES, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(15.08)cms X (17.58)cms.

100 percent land acquisition for bullet train

मटा अँकर रेल्वेमंत्री अश्विनी वैष्णव यांची माहिती

बुलेट ट्रेनसाठी १०० टक्के भूसंपादन

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्प

- प्रकल्पासाठी १,३८९.४९ हेक्टर जागेचे संपादन झाले असून यात गुजरातमधील ९५१.१४ हेक्टर, महाराष्ट्रातील ४३०.४५ हेक्टर, दादरा-नगर हवेलीतील ७.९० हेक्टरचा समावेश आहे.
- सध्या कालमर्यादा - सुरत व बिलिमोरा (पहिला टप्पा २०२६)
- प्रकल्पासाठी एकूण खर्च १.१० लाख कोटी
- बुलेट ट्रेन २०२२ मध्ये सुरू करण्याचे उद्दिष्ट होते, मात्र भूसंपादनातील अडथळ्यांमुळे हे काम पूर्ण झाले नाही.

वृत्तसंस्था, अहमदाबाद/
म. टा. प्रतिनिधी, मुंबई

मुंबई-अहमदाबाददरम्यान प्रस्तावित बुलेट ट्रेन प्रकल्पाच्या मार्गातील एक महत्त्वाचा टप्पा पार झाला आहे. या प्रकल्पासाठीचे गुजरात, महाराष्ट्र आणि दादरा नगरहवेली येथील भूसंपादन शंभर टक्के पूर्ण झाले आहे, अशी माहिती द नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडतर्फे (एनएचएसआरसीएल) सोमवारी देण्यात आली. केंद्रीय रेल्वेमंत्री अश्विनी वैष्णव यांनीही एक्सवर ही माहिती पोस्ट केली.

या प्रकल्पासाठी गुजरात, महाराष्ट्र व दादरा नगरहवेली येथील एकूण १,३८९.४९ हेक्टर जमीन आवश्यक होती व ती पूर्णपणे संपादित करण्यात आली आहे, असे वैष्णव यांनी एक्सवर म्हटले आहे. या (पान ३वर)

बुलेट ट्रेनसाठी १०० टक्के भूसंपादन

(पान एकवरून)

प्रकल्पासाठी आवश्यक असणारी कंत्राटे गुजरात व महाराष्ट्रास देण्यात आली आहेत. तसेच, आत्तापर्यंत २७१ किमी अंतरावर खांबांची उभारणी झाली आहे. तसेच, १२०.४ किमी अंतरावर गर्डर उभारणी पूर्ण झाली आहे, असे या पत्रकात म्हटले आहे.

महाराष्ट्रातील प्रकल्पस्थिती

- वांद्रे-कुर्ला संकुल (बीकेसी) ते शिळफाटादरम्यान २१ किमी लांबीच्या बोगद्याचा एक भाग असलेल्या खाडीखालील बोगद्याच्या कामाला सुरुवात झाली आहे. या प्रकल्पाच्या निमित्ताने भारतात प्रथमच समुद्राखालील बोगद्याची बांधणी होत आहे.
- मुंबई बुलेट ट्रेन स्थानक भुयारी असल्याने याचे बांधकाम ही सुरू करण्यात आले आहे.
- खोदकाम करण्यापूर्वी संरक्षक भिंत उभारणे आणि खोदकामानंतर

अभेद्य बांधकामांसाठी याचा वापर करणे याला सेकेंट पाइल असे म्हणतात. मुंबई स्थानकातील ९९ टक्के सेकेंट पाइल पूर्ण झाले आहे.

- स्थानकातील १,०४,४२१ क्युबिक मीटर खोदकाम पूर्ण झाले आहे. सध्या अँकर फिक्सिंगचे काम सुरू असल्यामुळे दुसऱ्या मजल्याच्या खोदकामाला मदत होणार आहे.
- राज्यातील बोईसर, विरार आणि ठाणे बुलेट स्थानकाचा आराखडा निश्चित झाला असून उर्वरित अलाइनमेंटचे काम वेगाने सुरू आहे.

गुजरातमधील सद्यस्थिती

- बुलेट ट्रेनच्या ट्रॅक बांधणीसंबंधी आवश्यक असणाऱ्या सिमेंट काँक्रिटच्या पायाचे बांधकाम गुजरातमधील सूरत व आनंद येथे सुरू झाले आहे.
- रेल्वेगाडी वेगाने धावण्यासाठी सामान्य स्लिपर्स ऐवजी जापानी शिंकासेन पद्धतीच्या काँक्रिट बेडचा वापर बुलेटसाठी देशात पहिल्यांदाच होणार आहे.
- राज्यातील २७१ किमी अंतरावर खांबांची आणि १२०.४ किमी अंतरावर गर्डर उभारणी पूर्ण झाली आहे.
- वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद आणि साबरमती स्थानकाचे बांधकाम विविध टप्प्यात सुरू आहे.
- २४ नद्यांपैकी सहा नदीवरील पुलाचे काम पूर्ण झाले असून नर्मदा, ताप्ती, माही आणि साबरमती या नद्यांवरील काम प्रगतिपथावर आहे.

LOKSATTA, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 3, Size:(15.54)cms X (9.88)cms.

Bullet train projects land cquisition completed: National High Speed Railway Corporation speeds up the work.

बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे भूसंपादन पूर्ण

नॅशनल हायस्पीड रेल्वे कॉर्पोरेशन लिमिटेडकडून कामाला गती

लोकसत्ता प्रतिनिधी

मुंबई : देशातील पहिल्या मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे १०० टक्के भूसंपादन पूर्ण झाले आहे. या प्रकल्पासाठी ८ जानेवारी २०२४ पर्यंत महाराष्ट्र, गुजरात, दादरा-नगर हवेली येथील १,३८९.४९ हेक्टर जागा ताब्यात घेण्यात आली आहे. या प्रकल्पासाठी आवश्यक असलेल्या जागेपैकी १.१२ टक्के जागा ताब्यात घेणे बाकी होते. ती जागा ताब्यात घेण्यासाठी प्रशासनाला एक वर्षाचा कालावधी लागला. दरम्यान, आवश्यक असलेल्या जमिनीचा ताबा मिळाल्याने, पुढील कामे वेगात सुरू आहेत, अशी माहिती नॅशनल हायस्पीड रेल्वे कॉर्पोरेशन लिमिटेडकडून देण्यात आली.

केंद्र सरकारने फेब्रुवारी २०१६ मध्ये नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडची स्थापना केली. यामध्ये देशभरात बुलेट ट्रेनचे जाळे बनविण्यासाठी, प्रकल्पांची आखणी व अंमलबजावणी करण्याचे काम या कंपनीकडे सोपवले. या कंपनीने देशातील पहिल्या मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनचे काम हाती घेतले आहे. मात्र गुजरात, महाराष्ट्र आणि दादरा नगर हवेलीमधील जमीन ताब्यात घेण्यास विलंब होत होता.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी राज्यात ४३०.४५ हेक्टर जमिनीची आवश्यकता होती. जानेवारी २०२३ मध्ये ४३०.४५ हेक्टर जमिनीपैकी ४२५.२४ हेक्टर (९८.७९ टक्के) जमिनीचे संपादन करण्यात आले. गुजरातमध्ये ९५१.१४ हेक्टर जमिनीपैकी ९४०.७७ हेक्टर (९८.९१ टक्के), तर दादरा-नगर हवेलीमध्ये ७.९० हेक्टर जमिनीचे संपूर्ण भूसंपादन केले होते. डिसेंबर २०२३ मध्ये गुजरातमध्ये १०० टक्के, दादरा-नगर हवेली १०० टक्के आणि महाराष्ट्रात ९९.८३ टक्के भूसंपादन झाले होते. त्यानंतर जानेवारी २०२४ मध्ये ठाणे जिल्ह्यातील काही भागातील जागा संपादित करून, राज्यातीलही १०० टक्के जमीन नॅशनल हायस्पीड रेल्वे कॉर्पोरेशन लिमिटेडच्या ताब्यात आली आहे.

- राज्यात मुंबई 'एचएसआर' स्थानकाचे काम सुरू झाले. राज्यातील बोईसर, विरार आणि ठाणे येथील कामे हाती घेतली आहेत.
- बुलेट ट्रेनमधील आकर्षणाचा भाग म्हणजे २१ किमी लांबीचा वांद्रे-कुर्ला संकुल ते शीळफाटा बोगदा. या २१ किमी बोगद्यापैकी ठाणे खाडीखालून ७ किमी लांबीचा बोगदा जाणार असून, तो देशातील पहिला पाण्याखालील बोगदा असेल.
- पायाभूत कामे करताना निर्माण होणारा आवाज कमी करण्यासाठी 'वाय डक्ट'च्या

ठाणे खाडीखाली सात किलोमीटर बोगदा

दोन्ही बाजूला ध्वनी अडथळे उभे केले जात आहेत.

- जपानच्या शिकानसेनमध्ये वापरल्या जाणाऱ्या 'एमएएचएसआर कॉरिडॉर ट्रॅक सिस्टीम'साठी पहिले प्रबलित काँक्रीट (आरसी) ट्रॅक बेड टाकण्याचे काम सुरत, आणंद येथे सुरू आहे.
- प्रथमच 'जे-स्लॅब बॅलेस्टलेस ट्रॅक सिस्टम' (खडीविरहित)चा वापर होत आहे.

MINT, Delhi, 9.1.2024
Page No. 8, Size:(10.42)cms X (8.65)cms.

Land acquired for bullet train project

The high-speed rail line is being built between Mumbai and Ahmedabad. REUTERS

The National High-Speed Rail Corp. Ltd (NHSRCL) on Monday said it has completed 100% land acquisition for the Mumbai-Ahmedabad Rail Corridor, popularly known as the bullet train project, across the states of Gujarat, and Maharashtra and the union territory of Dadra and Nagar Haveli. Railway minister Ashwini Vaishnaw also shared the status of land acquisition on X, saying the entire 1,389.49 hectares of land required for the project has been acquired.

The high-speed rail line is being built between Mumbai and Ahmedabad.

The NHSRCL, in a release, said all civil contracts for the project were awarded for Gujarat and Maharashtra, while 120.4 km of girders had been launched and 271 km of pier casting completed.

The NHSRCL said it has achieved a remarkable milestone with the completion of the first mountain tunnel 350 metres long and 12.6 metres in diameter located near Zaroli village in the Valsad district of Gujarat in just 10 months.

The first steel bridge, spanning 70 meters and weighing 673 mt, was erected across NH 53 in Surat, and 16 such bridges out of 28 are in various stages of fabrication, it said. PTI

NAI DUNIYA, Bhopal, 9.1.2024
Page No. 12, Size:(12.98)cms X (14.83)cms.

मुंबई-अहमदाबाद रेल कारिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा

24 में से छह नदियों पर पुल बन चुके हैं : वैष्णव

अहमदाबाद (एजेंसी)। नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने कहा है कि उसने बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत मुंबई-अहमदाबाद रेल कारिडोर के लिए 100 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण कर लिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी एक्स पर भूमि अधिग्रहण की जानकारी को साझा करते हुए कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक 1389.49 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जा रही है।

एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले के जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 माह में पूरा कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसमें कहा गया है कि 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल सूरत में एनएच-53 पर बनाया गया था। इसी के तहत 28 में से 16 ऐसे पुलों का निर्माण विभिन्न चरणों में हैं।

इस कारिडोर पर 24 में से छह नदियों पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है।

NAI DUNIYA, Gwalior, 9.1.2024
Page No. 12, Size:(12.49)cms X (14.82)cms.

अब पूरी गति से दौड़ेगा हाई स्पीड बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

जमीन अधिग्रहण का कार्य भी सौ प्रतिशत पूरा

अहमदाबाद (ब्यूरो)। अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलने वाली देश की पहली हाईस्पीड बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य सौ प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे जापान के सहयोग से शुरू किया गया है। वर्ष 2026 में इसका पहला चरण पूरा होगा।

नेशनल हाईस्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार, अहमदाबाद से वापी तक कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कारिडोर में 24 नदियां आती हैं। इनमें से छह नदियों पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। जबकि नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत समुद्र के नीचे रेल सुरंग के लिए काम शुरू हो गया है। यह भारत की पहली ऐसी सुरंग होगी। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, गुजरात के वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरुच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद व साबरमती में एचएसआर स्टेशन का काम तेज गति से पूर्ण होने को है। परियोजना के लिए 271 किमी ट्रैक ढलाई का कार्य पूरा हो चुका है। जापानी तकनीक से कंक्रीट ट्रैक बेड को बिछाने का काम किया जा रहा है। ऐसे प्रोजेक्ट में पहली बार जे-स्लैब (गिट्टी रहित ट्रैक) सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

NAI DUNIYA, Bilaspur, 9.1.2024
Page No. 12, Size:(17.36)cms X (19.42)cms.

तेज गति से दौड़ेगा बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

- इसके लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य भी सौ प्रतिशत पूरा
- इस परियोजना के अंतर्गत समुद्र के नीचे रेल सुरंग के लिए काम शुरू

अहमदाबाद (ब्यूरो)। अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलने वाली देश की पहली हाईस्पीड बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य सौ प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे जापान के सहयोग से शुरू किया गया है। वर्ष 2026 में इसका पहला चरण पूरा होगा।

नेशनल हाईस्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार, अहमदाबाद से वापी तक कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कारिडोर में 24 नदियां आती हैं। इनमें से छह नदियों पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। जबकि नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत समुद्र के नीचे रेल सुरंग के लिए काम शुरू हो गया है। यह भारत की पहली ऐसी सुरंग होगी। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, गुजरात के वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरुच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती में एचएसआर स्टेशन का काम तेज गति से पूर्ण होने को है। परियोजना के लिए 271 किलोमीटर ट्रैक ढलाई का कार्य पूरा हो चुका है। जापानी तकनीक से कंक्रीट ट्रैक बेड को बिछाने का काम किया जा रहा है। इसके अलावा एनएचएसआरसीएल ने कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले के जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीनों में पूरा कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

NAI DUNIYA, Indore, 9.1.2024
Page No. 12, Size:(16.58)cms X (19.10)cms.

तेज गति से दौड़ेगा बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट

- इसके लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य भी सौ प्रतिशत पूरा
- इस परियोजना के अंतर्गत समुद्र के नीचे रेल सुरंग के लिए काम शुरू

अहमदाबाद (ब्यूरो)। अहमदाबाद से मुंबई के बीच चलने वाली देश की पहली हाईस्पीड बुलेट ट्रेन के लिए जमीन अधिग्रहण का कार्य सौ प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। इसे जापान के सहयोग से शुरू किया गया है। वर्ष 2026 में इसका पहला चरण पूरा होगा।

नेशनल हाईस्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अनुसार, अहमदाबाद से वापी तक कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कारिडोर में 24 नदियां आती हैं। इनमें से छह नदियों पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। जबकि नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है। इस परियोजना के अंतर्गत समुद्र के नीचे रेल सुरंग के लिए काम शुरू हो गया है। यह भारत की पहली ऐसी सुरंग होगी। एनएचएसआरसीएल के अनुसार, गुजरात के वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरुच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती में एचएसआर स्टेशन का काम तेज गति से पूर्ण होने को है। परियोजना के लिए 271 किलोमीटर ट्रैक ढलाई का कार्य पूरा हो चुका है। जापानी तकनीक से कंक्रीट ट्रैक बेड को बिछाने का काम किया जा रहा है। इसके अलावा एनएचएसआरसीएल ने कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले के जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीनों में पूरा कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

NAI DUNIYA, Jabalpur, 9.1.2024
Page No. 12, Size:(12.99)cms X (15.11)cms.

मुंबई-अहमदाबाद रेल कारिडोर के लिए भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा

24 में से छह नदियों पर पुल बन चुके हैं : वैष्णव

अहमदाबाद (एजेंसी)। नेशनल हाई स्पीड रेल कार्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने कहा है कि उसने बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत मुंबई-अहमदाबाद रेल कारिडोर के लिए 100 प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण कर लिया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने भी एक्स पर भूमि अधिग्रहण की जानकारी को साझा करते हुए कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक 1389.49 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जा रही है।

एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले के जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 माह में पूरा कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इसमें कहा गया है कि 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल सूरत में एनएच-53 पर बनाया गया था। इसी के तहत 28 में से 16 ऐसे पुलों का निर्माण विभिन्न चरणों में हैं।

इस कारिडोर पर 24 में से छह नदियों पर पुल का निर्माण पूरा हो चुका है। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम चल रहा है।

NAVBHARAT TIMES, Delhi, 9.1.2024
Page No. 8, Size:(1.98)cms X (4.31)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए भूमि अधिग्रहण पूरा

■ विस, नई दिल्ली : मुंबई से अहमदाबाद के बीच चलने वाली देश की पहली बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए भूमि अधिग्रहण का काम 100% पूरा कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 8 जनवरी तक इस परियोजना से संबंधित गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल कंट्रेक्ट दे दिए गए है। जापानी शिंकानसेन बुलेट ट्रेन के लिए उपयोग किए जाने वाले आरसी ट्रैक बेड बिछाने का कार्य सूरत और आणंद में शुरू कर दिया गया है। यह पहली बार है, जब भारत में जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है। गुजरात के वलसाड में जारोली गांव के पास 350 मीटर लंबी पहाड़ी सुरंग को 10 महीनों में पूरा कर लिया गया है। देश का पहला स्टील ब्रिज सूरत में एनएच-53 पर बनाया गया है।

NAV-BHARAT, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 14, Size:(10.73)cms X (4.46)cms.

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर 100% भूमि अधिग्रहण

■ मुंबई, नवभारत न्यूज नेटवर्क. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का काम तेज गति से चल रहा है. इसी बीच उन्होंने एक बड़ी सफलता हासिल की है. गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल अनुबंध दे दिए गए हैं. 120.4 किमी के गर्डर लॉन्च किए जा चुके हैं और 271 किमी की पियर कास्टिंग पूरी हो चुकी है, लेकिन सबसे बड़ी उपलब्धि यह है कि गुजरात, डीएनएच और महाराष्ट्र में 100% भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा कर लिया गया है. इसी के साथ भारत की पहली 7 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे बनने वाली रेल सुरंग का काम शुरू हो चुका है, जो महाराष्ट्र में बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का एक हिस्सा है.

नई तकनीकी का भी इस्तेमाल

मुंबई एचएसआर स्टेशन के निर्माण हेतु खुदाई का काम शुरू कर दिया गया है. बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के कई ऐसे इंजीनियरिंग काम किये गए हैं, जो काफी मुश्किल थे. साथ ही नई तकनीकों का भी इस्तेमाल किया गया है. सभी एचएसआर स्टेशन में विभिन्न चरणों के तहत काम किया जा रहा है. गुजरात के वलसाड में ज़ारोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास की पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीनों में पूरा किया गया है. साथ ही 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल एनएच 53 पर बनाया गया है. इसके अलावा गुजरात में 17 और महाराष्ट्र में 11 पुल का काम जारी है.

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 01, Size:(2.05)cms X (3.96)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए मिली 100% जमीन

विसं, मुंबई: देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए NHSRCL को शत-प्रतिशत जमीन मिल चुकी है। गुजरात और महाराष्ट्र से करीब 1.25 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण के लिए एक साल लग गया। प्रॉजेक्ट के लिए अब तक 120.4 किमी के गर्डर लॉन्च किए जा चुके हैं और 271 किमी की पियर कास्टिंग पूरी हो चुकी है। महाराष्ट्र में भारत की पहली 7 किमी लंबी समुद्र के नीचे बनने वाली रेल सुरंग का काम शुरू हो चुका है।

1.25% अधिग्रहण के लिए 1 साल लगा

NAVBHARAT TIMES, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(2.05)cms X (3.96)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए मिली 100% जमीन

विसं, मुंबई: देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए NHSRCL को शत-प्रतिशत जमीन मिल चुकी है। गुजरात और महाराष्ट्र से करीब 1.25 प्रतिशत जमीन अधिग्रहण के लिए एक साल लग गया। प्रॉजेक्ट के लिए अब तक 120.4 किमी के गर्डर लॉन्च किए जा चुके हैं और 271 किमी की पियर कास्टिंग पूरी हो चुकी है। महाराष्ट्र में भारत की पहली 7 किमी लंबी समुद्र के नीचे बनने वाली रेल सुरंग का काम शुरू हो चुका है।

1.25% अधिग्रहण के लिए 1 साल लगा

PIONEER (HINDI), Lucknow, 9.1.2024
Page No. 10, Size:(13.84)cms X (12.90)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में भूमि अधिग्रहण का काम सौ फीसदी पूरा

भाषा। अहमदाबाद

नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को कहा कि उसने गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा व नगर हवेली में मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर (एमएचआरसी) के लिए भूमि अधिग्रहण का काम 100 प्रतिशत पूरा कर लिया। मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर को बुलेट ट्रेन परियोजना के रूप में भी जाना जाता है।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर भूमि अधिग्रहण की जानकारी साझा करते हुए कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक 1389.49 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है।मुंबई और अहमदाबाद के बीच उच्च गति वाली रेल लाइन का निर्माण किया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि परियोजना के लिए सभी अनुबंध गुजरात और महाराष्ट्र को दे दिए गए थे जबकि

120.4 किलोमीटर गार्डर बिछा दिए गए हैं और 271 किलोमीटर तक खंभे लगा दिए गए हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, एमएचआरसी गलियारा ट्रैक सिस्टम के लिए जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड को बिछाने का काम भी सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि सिर्फ 10 महीने में गुजरात के वलसाड जिले में जरोली गांव के समीप 12.6 मीटर व्यास और 350 मीटर लंबी पहली माउंटेन टनल का निर्माण पूरा कर लिया गया है।विज्ञप्ति के मुताबिक, गुजरात के सूरत जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल बनाया गया है। साथ ही इस तरह के 28 में 16 पुलों का निर्माण विभिन्न चरणों में हैं।

विज्ञप्ति के मुताबिक, एमएएचएसआर गलियारे पर 24 में से छह नदियों पर पुलों के निर्माण का काम पूरा हो चुका है, जिनमें पार (वलसाड जिला), पूर्णा (नवसारी जिला), मिंधोला (नवसारी जिला), अंबिका (नवसारी जिला), औरंगा (वलसाड जिला) और वेंगनिया (नवसारी जिला) शामिल हैं।
विज्ञप्ति में कहा गया कि नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम जारी है। विज्ञप्ति के मुताबिक, भारत की पहली सात किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे रेल सुरंग का काम शुरू हो गया है।

PRAHAAR, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 9, Size:(11.71)cms X (5.17)cms.

Bullet train project -100 % land acquisition completed : Mountain tunnel near Jaroli, Valsad was completed in 10 months. First train to run between Surat to Billimora .

प्रथम सूरत-बिलिमोरा दरम्यान धावेल पहिली गाडी

बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी भूसंपादनाचे काम शंभर टक्के पूर्ण

◆ अहमदाबाद (वृत्तसंस्था) :

हाय स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने सोमवारी सांगितले की त्यांनी मुंबई-अहमदाबाद रेल्वे कॉरिडॉरसाठी गुजरात, महाराष्ट्र आणि दादर आणि नगर हवेलीमधील भूसंपादनाचे काम १०० टक्के पूर्ण केले आहे. रेल्वेमंत्री अश्विनी वैष्णव यांनी बुलेट ट्रेनसाठी भूसंपादनाची स्थिती शेअर केली. ते म्हणाले की, प्रकल्पासाठी आवश्यक असलेली संपूर्ण १३८९.४९ हेक्टर जमीन संपादित करण्यात आली आहे. मुंबई ते अहमदाबाद दरम्यान हायस्पीड रेल्वेलाइन बांधण्यात येत आहे.

या कंत्राटे गुजरात आणि महाराष्ट्राला देण्यात आली आहेत. त्यापैकी १२०.४ किमी गर्डरचे लोकार्पण करण्यात आले असून २७१ किमी घाट उताराचे काम पूर्ण झाले आहे. कॉरिडॉर ट्रॅक सिस्टीमसाठी जपानी शिंकानसेन तंत्रज्ञानाचा वापर करून पहिल्या काँक्रीट ट्रॅक बेडची स्थापना सूरत आणि आनंदमध्ये सुरू झाली आहे. स्लॅब बॅलेस्टलेस ट्रॅक सिस्टीम वापरण्याची ही भारतातील पहिलीच वेळ आहे. गुजरातमधील वापी, बिलिमोरा, सुरत, भरूच, आनंद, वडोदरा, अहमदाबाद आणि साबरमती येथे स्टेशन बांधले जात आहेत.

१० महिन्यांत बांधला माऊंटन बोगदा

एएचएसआरसीएलने गुजरातच्या वलसाड जिल्ह्यातील जरोली गावाजवळील ३५०मीटर लांब आणि १२.६ मीटर व्यासाचा पहिला माऊंटन बोगदा अवघ्या १० महिन्यांत पूर्ण करून एक उल्लेखनीय कामगिरी केली आहे. पहिला ७० मीटरचा स्टील पूल सूरतमधील एच ५३ वर बांधला. आतापर्यंत २८ पैकी १६ पूल सध्या बांधले आहेत. २४ पैकी सहा नद्यांवर पुलाचे काम पूर्ण झाले आहे. हे पूल वलसाड, पूर्णा, मिंधोळा, अंबिका, औरंगाबाद (वलसाड जिल्हा) आणि वेंगानिया (नवसारी जिल्हा) येथे आहेत. नर्मदा, ताप्ती, मही आणि सावरमती नद्यांच्या पुलांचे काम सुरू आहे.

PUDHARI, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(4.54)cms X (10.91)cms.

100% land acquisition completed for Bullet Train Project.

बुलेट ट्रेनसाठी १०० टक्के भूसंपादन

मुंबई : पुढारी वृत्तसेवा

पंतप्रधान नरेंद्र मोदी यांच्या महत्वाकांक्षी प्रकल्पांपैकी एक असलेल्या मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाकरिता १०० टक्के भूसंपादन झाले असून, रेल्वेमंत्री अश्विनी वैष्णव यांनीच ही माहिती ट्विट केली.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन तीन राज्यांतून जाणार आहे. गुजरात, दादरा-नगर हवेली आणि महाराष्ट्रात १०० टक्के भूसंपादन पूर्ण झाले आहे. गुजरात आणि महाराष्ट्रातील सर्व नागरी कंत्राटे देण्यात आली आहेत.

प्रकल्प गतिमान

- वलसाडमधील झारोली गावाजवळील ३५० मीटर लांबी आणि १२.६ मीटर व्यासाचा पहिला बोगदा (डोंगर) अवघ्या १० महिन्यांत पूर्ण करण्यात आला.
- सुरत येथे एनएच ५३ वर ७० मीटर लांबीचा आणि ६७३ मेट्रिक टन वजनाचा पहिला स्टील पूल उभारण्यात आला. २८ पैकी १६ पुलांचे काम सुरु आहे.

- बीकेसी ते शिळफाटा दरम्यान २१ किमी लांबीच्या बोगद्याचा एक भाग असलेल्या भारतातील पहिल्या ७ किमीच्या समुद्राखालील रेल्वे बोगद्याच्या कामाला सुरुवात झाली.
- बीकेसी स्थानकाचे ९९ टक्के सेकेंट पाईल पूर्ण झाले. खोदकाम झाले आहे. अँकर फिक्सिंगचे काम सुरू आहे.
- तीन स्थानकांसह (बोईसर, विरार आणि ठाणे) उर्वरित अलाइनमेंटचे काम वेगाने सुरु आहे

PUNJAB KESARI, Delhi, 9.1.2024
Page No. 3, Size:(10.48)cms X (8.15)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन : भूमि अधिग्रहण का काम पूरा

- मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर को बुलेट ट्रेन परियोजना के रूप में भी जाना जाता है

अहमदाबाद, (पंजाब केसरी): नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को कहा कि उसने गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा व नगर हवेली में मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर (एमएचआरसी) के लिए भूमि अधिग्रहण का काम 100 प्रतिशत पूरा कर लिया। मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर को बुलेट ट्रेन परियोजना के रूप में भी जाना जाता है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'एक्स' पर भूमि अधिग्रहण की जानकारी साझा करते हुए कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक 1389.49 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच उच्च गति वाली रेल लाइन का निर्माण किया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि परियोजना के लिए सभी अनुबंध गुजरात और महाराष्ट्र को दे दिए गए थे जबकि 120.4 किलोमीटर गार्डर बिछा दिए गए हैं और 271 किलोमीटर तक खंभे लगा दिए गए हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, 'एमएचआरसी गलियारा ट्रैक सिस्टम के लिए जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड को बिछाने का काम भी सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।' एनएचएसआरसीएल ने कहा कि सिर्फ 10 महीने में गुजरात के वलसाड जिले में जरोली गांव के समीप 12.6 मीटर व्यास और 350 मीटर लंबी पहली 'माउंटेन टनल' का निर्माण पूरा कर लिया गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, गुजरात के सूरत जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल बनाया गया है। साथ ही इस तरह के 28 में 16 पुलों का निर्माण विभिन्न चरणों में हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, एमएएचएसआर गलियारे पर 24 में से छह नदियों पर पुलों के निर्माण का काम पूरा हो चुका है, जिनमें पार (वलसाड जिला), पूर्णा (नवसारी जिला), मिंधोला (नवसारी जिला), अंबिका (नवसारी जिला), औरंगा (वलसाड जिला) और वेंगनिया (नवसारी जिला) शामिल हैं। विज्ञप्ति में कहा गया कि नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों पर काम जारी है। विज्ञप्ति के मुताबिक, भारत की पहली सात किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे रेल सुरंग का काम शुरू हो गया है। यह सुरंग महाराष्ट्र में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किमी लंबी सुरंग का हिस्सा है और मुंबई एचएसआर स्टेशन के निर्माण के लिए खुदाई का काम भी शुरू हो गया है। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि गुजरात के वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आनंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती में एचएसआर स्टेशन निर्माण के विभिन्न चरणों में हैं।

विज्ञप्ति के मुताबिक, 1.10 लाख करोड़ रुपये की इस परियोजना के 2022 तक पूरा होने की उम्मीद थी लेकिन भूमि अधिग्रहण को लेकर कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। सरकार ने 2026 तक दक्षिण गुजरात के सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का पहला चरण शुरू करने का लक्ष्य रखा है।

PUNYNAGARI, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(13.15)cms X (11.17)cms.

Mumbai- Ahmedabad Bullet train project land acquisition is 100% completed: NHSRC declared.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनचे भूसंपादन १०० टक्के पूर्ण

अहमदाबाद : 'मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडॉर' (एमएचआरसी) अर्थात बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी गुजरात, महाराष्ट्र आणि दादर नगर हवेली भागात भूसंपादनाचे काम १०० टक्के पूर्ण झाले, अशी माहिती 'नॅशनल हाय-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवारी दिली. बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी देशातील पहिल्या ७ किमी लांबीच्या समुद्राखालील रेल्वे बोगद्याचे काम सुरू झाले. हा बोगदा वांद्रे-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) व शिळफाटा दरम्यान २१ किमी लांबीच्या बोगद्याचा भाग असल्याचे सूत्रांनी सांगितले. ▸▸ पान ७ वर...

'एनएचएसआरसीएल'ची माहिती

गुजरात राज्यात ९५१.१४ हेक्टर, डहाणूमध्ये ७.९० हेक्टर, तर महाराष्ट्रात ४२९.७१ हेक्टर जमिनीचे अधिग्रहण करायचे होते. गेल्या वर्षी गुजरातमध्ये १०० टक्के आणि महाराष्ट्रात ९६ टक्के भूसंपादन करून नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड बुलेट ट्रेनचे काम जोरदार सुरू केले होते. उर्वरित जमीन अधिग्रहणाबाबत प्रक्रिया पूर्ण झाली आहे.

मुबइ-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनचे भूसंपादन १०० टक्के पूर्ण

(पान १ वरून) रेल्वेमंत्री अश्विनी वैष्णव यांनी ट्विटरवरून भूसंपादनाची माहिती दिली. ते म्हणाले की, मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेनसाठी लागणाऱ्या १,३८९ हेक्टर जमिनीचे संपादन करण्यात आले. सध्या मुंबई व अहमदाबाददरम्यान जलदगतीने धावणाऱ्या रेल्वे प्रकल्पाचे काम सुरू करण्यात आल्याचे त्यांनी स्पष्ट केले. बुलेट ट्रेनसंबंधित सर्व करार गुजरात व महाराष्ट्राला दिले आहेत. १२०.४ किमी गर्डर अंथरण्यात आले आहेत, २७१ किमीपर्यंत खांब बसवले आहेत. 'मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडॉर' ट्रॅक सिस्टीमकरिता जपानी शिंकानसेनमध्ये वापरण्यात येणारे 'रिइन्फोर्स्ड काँक्रीट' (आरसी) ट्रॅक बेड अंथरण्याचे काम सुरत व आणंद जिल्ह्यात सुरू झाले आहे. भारतात 'जे-स्लॅब गिट्टीरहित प्रणाली'चा वापर करण्याची ही पहिलीच वेळ आहे, असे एनएचएसआरसीएलने एक निवेदन जारी करीत म्हटले आहे. अवघ्या १० महिन्यांत गुजरातच्या वलसाड जिल्ह्यातील जरोली गावाजवळ १२.६ मीटर व्यास व ३५० मीटर लांब 'माऊंटेन बोगदा' बांधला आहे. सुरत जिल्ह्यात राष्ट्रीय महामार्गावर ७० मीटर लांब व ६७३ मेट्रिक टन वजनाचा पहिला पोलादी पूल बनवण्यात आला आहे. याच प्रकारे २८ पैकी १६ पुलांची निर्मिती सुरू आहे. तसेच २४ पैकी ६ नद्यांवर पूलबांधणी पूर्ण झाली. नर्मदा, तापी, माही व साबरमती नदीवरही अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेनचे काम सुरू आहे, असे एनएचएसआरसीएलने स्पष्ट केले.

RAJASTHAN PATRIKA, Ahmedabad, 9.1.2024
Page No. 4, Size:(17.87)cms X (8.16)cms.

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का 100 फीसदी भूमि अधिग्रहण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) प्रोजेक्ट कॉरिडोर के लिए 100 फीसदी भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया गया। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के मुताबिक बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की सोमवार तक की स्थिति के मुताबिक गुजरात, दादरा नगर हवेली और महाराष्ट्र में 100 फीसदी भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है।

गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल कॉन्ट्रैक्ट दिए जा चुके हैं। 120.4 किलोमीटर के गर्डर लगाए गए हैं वहीं 271 किलोमीटर की पियर कास्टिंग पूरी हो चुकी है। जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए पहले रीइंफोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड बिछाने का कार्य सूरत और आणंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

पहाड़ी सुरंग का काम पूरा

गुजरात के वलसाड में ज़ारोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीनों में पूरा किया गया है। सूरत में नेशनल हाइवे - 53 पर 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन का पहला स्टील ब्रिज बनाया गया है। ऐसे 28 में से 16 ब्रिज निर्माण के अलग-अलग चरणों में हैं।

24 नदी पुल में से 6 नदियों पर पुल का निर्माण: कुल 24 नदी पुलों में से 6 नदियों पर पुल का निर्माण किया जा चुका है। नर्मदा, तापी, माही और साबरमती नदियों पर पुल का निर्माण कार्य प्रगति पर हैं। परिचालन के दौरान ट्रेन तथा सिविल संरचनाओंसे उत्पन्न होने वाले शोर को कम करने के लिए वायाडक्ट के दोनों ओर नॉइज़ बैरियर्स लगाए जा रहे हैं।

रेल सुरंग का काम आरंभ

भारत की पहली 7 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे बनने वाली रेल सुरंग का काम शुरू हो चुका है, यह महाराष्ट्र में बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का एक हिस्सा है। मुंबई हाई स्पीड रेल (एचएसआर) स्टेशन के निर्माण के लिए खुदाई का काम शुरू कर दिया गया है।

भूमि अधिग्रहण की ताजा स्थिति

गुजरात : 100 फीसदी
दादरा नगर हवेली : 100 फीसदी
महाराष्ट्र : 100 फीसदी
कुल : 100 फीसदी

गुजरात में जारी कार्य

वायाडक्ट : कुल 352 कि.मी.
पाइल : 343.9 कि.मी.
फाउंडेशन : 294.5 कि.मी.
पियर (स्टेशनों सहित): 271 कि.मी.
पियर (स्टेशनों को छोड़कर): 268.5 कि.मी.
गर्डरों की संख्या : 3797
गर्डर कास्टिंग : 152 कि.मी.
वायाडक्ट (गर्डर लांचिग) : 120.4 कि.मी. **विशेष पुल :** राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों, सिंचाई नहरों और रेलवे पर गुजरात में 17, महाराष्ट्र में 11 सहित 28 क्रॉसिंग को लांग स्पैन की स्टील संरचनाओं से पाट दिया जाएगा।

स्टेशन एवं डिपो

गुजरात में सभी 8 एचएसआर स्टेशनों -वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती-पर निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में है। सभी 8 एचएसआर स्टेशनों के लिए फाउंडेशन का काम पूरा हो गया है। वापी में रेल लेवल स्लैब पूरा हो गया है। बिलिमोरा में 288 मीटर रेल लेवल स्लैब की ढलाई, सूरत में कॉनकोर्स स्लैब व रेल लेवल स्लैब का कार्य पूरा हो गया। प्लेटफार्म लेवल स्लैब की ढलाई शुरू हो गई है और 557 मीटर की ढलाई हो चुकी है। आणंद में कॉनकोर्स स्लैब और रेल लेवल स्लैब (425 मीटर) का कार्य पूरा हो गया। प्लेटफार्म स्तर का स्लैब पूरा हो गया। अहमदाबाद में कॉनकोर्स स्लैब पूरा हो गया है। सूरत डिपो के फाउंडेशन और सुपर स्ट्रक्चर का काम पूरा हो गया है। साबरमती डिपो की मिट्टी की खुदाई का काम पूरा हो गया है। ओवर हेड इलेक्ट्रिक लाइन फाउंडेशन का कार्य प्रगति पर है। महाराष्ट्र में मुंबई एचएसआर स्टेशन का काम शुरू हो चुका है। साथ ही बोइसर, विरार और ठाणे सहित 3 स्टेशनों के शेष संरेखण के लिए जियोटेक कार्य प्रगति पर हैं।

RAJ EXPRESS, Bhopal, 9.1.2024
Page No. 6, Size:(21.26)cms X (10.41)cms.

प्रोजेक्ट गुजरात-महाराष्ट्र में प्रोजेक्ट के सिविल कॉन्ट्रैक्ट भी दिए, सूरत-बिलिमोरा के बीच सबसे पहले चलेगी

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए जमीन अधिग्रहण का काम पूरा

अहमदाबाद / आरएनएन

हाई स्पीड (बुलेट ट्रेन) रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएचआरसीएल) ने सोमवार को बताया कि उसने मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर के लिए गुजरात, महाराष्ट्र और दादर और नगर हवेली में जमीन अधिग्रहण का काम 100 प्रतिशत पूरा कर लिया है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन के लिए भूमि अधिग्रहण की स्थिति शेयर की। उन्होने कहा कि प्रोजेक्ट के लिए जरूरत की पूरी 1389.49 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण कर लिया गया है। मुंबई और अहमदाबाद के बीच हाई स्पीड रेल लाइन बनाई जा रही है। एनएचआरसीएल ने एक बयान में कहा कि प्रोजेक्ट के लिए सभी सिविल कॉन्ट्रैक्ट गुजरात और महाराष्ट्र के लिए दे दिए गए हैं। इनमें 120.4 किलोमीटर गर्डर लॉन्च किए गए और 271 किलोमीटर घाट ढलान पर काम पूरा हो गया। एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए जापानी शिंकानसेन तकनीक में इस्तेमाल किया जाने वाला पहला कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड बिछाने का काम सूरत और आणंद में शुरू हो गया है। यह भारत में पहली बार है जब स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

पर्वतीय सुरंग केवल 10 महीनों में बनाई : एनएचएसआरसीएल ने कहा कि उसने गुजरात के वलसाड जिले में जरोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12 .6 मीटर डायमीटर की पहली पर्वतीय सुरंग को केवल 10 महीनों में पूरा करने के साथ एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। पहला स्टील पुल, जो 70 मीटर तक फैला है और जिसका वजन 673 मीट्रिक टन है, सूरत में ह॥ 53 पर बनाया गया था। 28 में से 16 ऐसे पुल अभी बन रहे हैं। एमएएचएसआर कॉरिडोर पर 24 नदियों में से छह पर पुल बनाने का काम पूरा हो गया है। ये पुल वलसाड,पूर्णा,मिंधोला,अंबिका,औरंगा (वलसाड जिला) और वेंगानिया (नवसारी जिला) में हैं। नर्मदा, ताप्ती, माही और साबरमती नदियों के पुल पर काम चल रहा है। ट्रेन के संचालन के दौरान ट्रेन और अन्य सिविल स्ट्रक्चर से होने वाले शोर को कम करने के लिए पुल के दोनों ओर ध्वनि अवरोधक लगाए जा रहे हैं।

समुद्र के नीचे बनेगी सात किलोमीटर की सुरंग : भारत की पहली सात किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे रेल सुरंग बनाने के लिए काम शुरू हो गया है, जो महाराष्ट्र में बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का हिस्सा है। इसके अलावा मुंबई स्टेशन बनाने के लिए खुदाई का काम शुरू हो गया है। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि गुजरात के वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती में एचएसआर स्टेशन बन रहे हैं।

RAJASTHAN PATRIKA, Delhi, 9.1.2024
Page No. 10, Size:(29.63)cms X (14.83)cms.

हाई स्पीड रेल कॉरिडोर

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट का 100 फीसदी भूमि अधिग्रहण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (बुलेट ट्रेन) प्रोजेक्ट कॉरिडोर के लिए 100 फीसदी भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया गया। नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के मुताबिक बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की सोमवार तक की स्थिति के मुताबिक गुजरात, दादरा नगर हवेली और महाराष्ट्र में 100 फीसदी भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा हो चुका है।

गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल कॉन्ट्रैक्ट दिए जा चुके हैं। 120.4 किलोमीटर के गर्डर लगाए गए हैं वहीं 271 किलोमीटर की पियर कास्टिंग पूरी हो चुकी है। जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए पहले रीइंफोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रैक

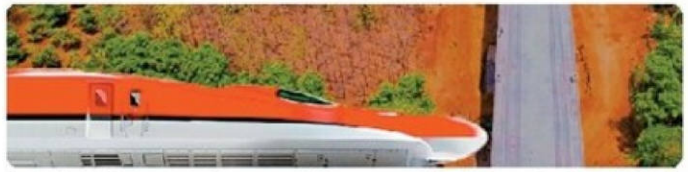

बेड बिछाने का कार्य सूरत और आणंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

पहाड़ी सुरंग का काम पूरा

गुजरात के वलसाड में ज़ारोली गांव के पास स्थित 350 मीटर लंबी और 12.6 मीटर व्यास वाली पहली पहाड़ी सुरंग को केवल 10 महीनों में पूरा किया गया है। सूरत में नेशनल हाइवे - 53 पर 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन का पहला स्टील ब्रिज बनाया गया है। ऐसे 28 में से 16 ब्रिज निर्माण के अलग-अलग चरणों में हैं।

24 नदी पुल में से 6 नदियों पर पुल का निर्माण: कुल 24 नदी पुलों में से 6 नदियों पर पुल का निर्माण किया जा चुका है। नर्मदा, तापी, माही और साबरमती नदियों पर पुल का निर्माण कार्य प्रगति पर है। परिचालन के दौरान ट्रेन तथा सिविल संरचनाओंसे उत्पन्न होने वाले शोर को कम करने के लिए वायाडक्ट के दोनों ओर नॉइज़ बैरियर्स लगाए जा रहे हैं।

रेल सुरंग का काम आरंभ

भारत की पहली 7 किलोमीटर लंबी समुद्र के नीचे बनने वाली रेल सुरंग का काम शुरू हो चुका है, यह महाराष्ट्र में बीकेसी और शिलफाटा के बीच 21 किलोमीटर लंबी सुरंग का एक हिस्सा है। मुंबई हाई स्पीड रेल (एचएसआर) स्टेशन के निर्माण के लिए खुदाई का काम शुरू कर दिया गया है।

भूमि अधिग्रहण की ताजा स्थिति

गुजरात : 100 फीसदी
दादरा नगर हवेली : 100 फीसदी
महाराष्ट्र : 100 फीसदी
कुल : 100 फीसदी

गुजरात में जारी कार्य

वायाडक्ट : कुल 352 कि.मी.
पाइल : 343.9 कि.मी.
फाउंडेशन : 294.5 कि.मी.
पियर (स्टेशनों सहित): 271 कि.मी.
पियर (स्टेशनों को छोड़कर): 268.5 कि.मी.
गर्डरों की संख्या : 3797
गर्डर कास्टिंग : 152 कि.मी.
वायाडक्ट (गर्डर लांचिग) : 120.4 कि.मी. **विशेष पुल :** राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों, सिंचाई नहरों और रेलवे पर गुजरात में 17, महाराष्ट्र में 11 सहित 28 क्रॉसिंग को लांग स्पैन की स्टील संरचनाओं से पाट दिया जाएगा।

स्टेशन एवं डिपो

गुजरात में सभी 8 एचएसआर स्टेशनों -वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, आणंद, वडोदरा, अहमदाबाद और साबरमती-पर निर्माण कार्य विभिन्न चरणों में है। सभी 8 एचएसआर स्टेशनों के लिए फाउंडेशन का काम पूरा हो गया है। वापी में रेल लेवल स्लैब पूरा हो गया है। बिलिमोरा में 288 मीटर रेल लेवल स्लैब की ढलाई, सूरत में कॉनकोर्स स्लैब व रेल लेवल स्लैब का कार्य पूरा हो गया। प्लेटफार्म लेवल स्लैब की ढलाई शुरू हो गई है और 557 मीटर की ढलाई हो चुकी है। आणंद में कॉनकोर्स स्लैब और रेल लेवल स्लैब (425 मीटर) का कार्य पूरा हो गया। प्लेटफार्म स्तर का स्लैब पूरा हो गया। अहमदाबाद में कॉनकोर्स स्लैब पूरा हो गया है। सूरत डिपो के फाउंडेशन और सुपर स्ट्रक्चर का काम पूरा हो गया है। साबरमती डिपो की मिट्टी की खुदाई का काम पूरा हो गया है। ओवर हेड इलेक्ट्रिक लाइन फाउंडेशन का कार्य प्रगति पर है। महाराष्ट्र में मुंबई एचएसआर स्टेशन का काम शुरू हो चुका है। साथ ही बोइसर, विरार और ठाणे सहित 3 स्टेशनों के शेष संरेखण के लिए जियोटेक कार्य प्रगति पर है।

RASHTRIYA SAHARA, Delhi, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(20.69)cms X (13.92)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए जमीन तैयार

■ विनोद श्रीवास्तव

नई दिल्ली। एसएनबी

■ 100 फीसद भूमि अधिग्रहण का काम पूरा

देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजनाओं को रफ्तार मिल गई है। परियोजना के लिए सौ प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो गया है। इससे यह सुनिश्चित माना जा रहा है कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना अपने नए निर्धारित लक्ष्य वर्ष 2026 तक पूरी हो जाएगी। हालांकि महाराष्ट्र में सौ प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के प्रयास के बीच निर्माण निरंतर चल रहा है, क्योंकि गुजरात में भूमि अधिग्रहण का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। परियोजना पूरी होने के बाद बुलेट ट्रेन से 508 किलोमीटर मुंबई-अहमदाबाद की दूरी करीब तीन घंटे में पूरी कर ली जाएगी। अभी अन्य ट्रेनों से यह दूरी छह-सात घंटे में तय की जाती है।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र के हिस्से में आ रही सौ प्रतिशत भूमि के अधिग्रहण पूरा होने के बाद ट्वीट किया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया गया। परियोजना के तहत गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल अनुबंध दे दिए गये है। 120.4 किमी. के गर्डर लांच किये गये हैं। 271 किमी. की पियर कास्टिंग पूरी हो चुकी है। जापानी शिंकानसेन में उपयोग किये जाने वाले एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए पहले रीइंफोर्स्ड कंक्रीट ट्रैक बेड बिछाने का कार्य सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

RASHTRIYA SAHARA, Dehradun, 9.1.2024
Page No. 13, Size:(12.94)cms X (8.82)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए जमीन तैयार

■ विनोद श्रीवास्तव

नई दिल्ली। एसएनबी

देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजनाओं को रफ्तार मिल गई है। परियोजना के लिए सौ प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो गया है। इससे यह सुनिश्चित माना जा रहा है कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना अपने नए निर्धारित लक्ष्य वर्ष 2026 तक पूरी हो जाएगी। हालांकि महाराष्ट्र में सौ प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के प्रयास के बीच निर्माण निरंतर चल रहा है, क्योंकि गुजरात में भूमि अधिग्रहण का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। परियोजना पूरी होने के बाद बुलेट ट्रेन से 508 किलोमीटर मुंबई-अहमदाबाद की दूरी करीब तीन घंटे में पूरी कर ली जाएगी। अभी अन्य ट्रेनों से यह दूरी छह-सात घंटे में तय की जाती है।

■ 100 फीसद भूमि अधिग्रहण का काम पूरा

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र के हिस्से में आ रही सौ प्रतिशत भूमि के अधिग्रहण पूरा होने के बाद ट्वीट किया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया गया। परियोजना के तहत गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल अनुबंध दे दिए गये है। 120.4 किमी. के गर्डर लांच किये गये हैं। 271 किमी. की पियर कास्टिंग पूरी हो चुकी है। जापानी शिंकानसेन में उपयोग किये जाने वाले एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए पहले रीइंफोर्स्ड कंक्रीट ट्रैक बेड बिछाने का कार्य सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

RASHTRIYA SAHARA, Patna, 9.1.2024
Page No. 8, Size:(11.13)cms X (10.69)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए जमीन तैयार

■ विनोद श्रीवास्तव

नई दिल्ली। एसएनबी

देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजनाओं को रफ्तार मिल गई है। परियोजना के लिए सौ प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो गया है। इससे यह सुनिश्चित माना जा रहा है कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना अपने नए निर्धारित लक्ष्य वर्ष 2026 तक पूरी हो जाएगी। हालांकि महाराष्ट्र में सौ प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के प्रयास के बीच निर्माण निरंतर चल रहा है, क्योंकि गुजरात में भूमि अधिग्रहण का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। परियोजना पूरी होने के बाद बुलेट ट्रेन से 508 किलोमीटर मुंबई-अहमदाबाद की दूरी करीब तीन घंटे में पूरी कर ली जाएगी। अभी अन्य ट्रेनों से यह दूरी छह-सात घंटे में तय की जाती है।

■ 100 फीसद भूमि अधिग्रहण का काम पूरा

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र के हिस्से में

आ रही सौ प्रतिशत भूमि के अधिग्रहण पूरा होने के बाद ट्वीट किया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया गया। परियोजना के तहत गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल अनुबंध दे दिए गये है। 120.4 किमी. के गर्डर लांच किये गये हैं। 271 किमी. की पियर कास्टिंग पूरी हो चुकी है। जापानी शिंकानसेन में उपयोग किये जाने वाले एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए पहले रीइंफोर्स्ड कंक्रीट ट्रैक बेड बिछाने का कार्य सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

RASHTRIYA SAHARA, Lucknow, 9.1.2024
Page No. 13, Size:(12.45)cms X (8.61)cms.

बुलेट ट्रेन के लिए जमीन तैयार

■ विनोद श्रीवास्तव

नई दिल्ली। एसएनबी

■ 100 फीसद भूमि अधिग्रहण का काम पूरा

देश की पहली बुलेट ट्रेन परियोजनाओं को रफ्तार मिल गई है। परियोजना के लिए सौ प्रतिशत भूमि का अधिग्रहण हो गया है। इससे यह सुनिश्चित माना जा रहा है कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना अपने नए निर्धारित लक्ष्य वर्ष 2026 तक पूरी हो जाएगी। हालांकि महाराष्ट्र में सौ प्रतिशत भूमि अधिग्रहण के प्रयास के बीच निर्माण निरंतर चल रहा है, क्योंकि गुजरात में भूमि अधिग्रहण का कार्य पहले ही पूरा किया जा चुका है। परियोजना पूरी होने के बाद बुलेट ट्रेन से 508 किलोमीटर मुंबई-अहमदाबाद की दूरी करीब तीन घंटे में पूरी कर ली जाएगी। अभी अन्य ट्रेनों से यह दूरी छह-सात घंटे में तय की जाती है।

रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए महाराष्ट्र के हिस्से में आ रही सौ प्रतिशत भूमि के अधिग्रहण पूरा होने के बाद ट्वीट किया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर के लिए 100 प्रतिशत भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा किया गया। परियोजना के तहत गुजरात और महाराष्ट्र के लिए सभी सिविल अनुबंध दे दिए गये है। 120.4 किमी. के गर्डर लांच किये गये हैं। 271 किमी. की पियर कास्टिंग पूरी हो चुकी है। जापानी शिंकानसेन में उपयोग किये जाने वाले एमएएचएसआर कॉरिडोर ट्रैक सिस्टम के लिए पहले रीइंफोर्स्ड कंक्रीट ट्रैक बेड बिछाने का कार्य सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब बैलास्टलेस ट्रैक सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

SANDESH, Ahmedabad, 9.1.2024
Page No. 9, Size:(9.90)cms X (8.48)cms.

Bullet Train: 100% land acquisition work completed in Maharashtra too

ભારતમાં પહેલી વખત સ્લેબ બનાવવા માટે બેલાસ્ટલેસ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ

બુલેટ ટ્રેન : મહારાષ્ટ્રમાં પણ જમીન સંપાદનની ૧૦૦ ટકા કામગીરી પૂર્ણ

ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્રમાં તમામ સિવિલ વર્ક માટે એજન્સીઓને કોન્ટ્રાક્ટ આપી દેવાયા

। સુરત ।

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીના ડ્રીમ પ્રોજેક્ટ બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી બુલેટ ગતિએ આગળ ધપી રહી છે. ગુજરાતમાં બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી પહેલાંથી પૂરજોશમાં ચાલી કરી છે. પરંતુ હવે મહારાષ્ટ્રમાં પણ કામગીરીએ વેગ પકડ્યું છે. કેમકે, મહારાષ્ટ્રમાં જમીન સંપાદનની ૧૦૦ ટકા કામગીરી પૂર્ણ થઈ ચૂકી છે. આ સાથે જ બુલેટ ટ્રેનના સમગ્ર પ્રોજેક્ટ માટે થનારી ૫૦૮ કિલોમીટર વિસ્તારની જમીન સંપાદનની કામગીરી પૂરી થઈ ચૂકી છે.

મહારાષ્ટ્રમાં સૌથી છેલ્લે સંપાદનની કામગીરી શરૂ થઈ હતી. પરંતુ હાલ મહારાષ્ટ્રમાં પણ જમીન સંપાદનની ૧૦૦ ટકા કામગીરી પૂરી થઈ ચૂકી છે. આ સાથે જ બુલેટ ટ્રેનના ૫૦૮ કિલોમીટર લાંબા રૂટની સમગ્ર જમીન સંપાદન થઈ ગઈ છે. બીજા શબ્દોમાં કહીએ તો બુલેટ ટ્રેનના ટ્રેકની તમામ બાધાઓ દૂર થઈ ગઈ છે.

ગુજરાતના આઠ, મહારાષ્ટ્રના ત્રણ સ્ટેશનની કામગીરીનો આરંભ

બુલેટ ટ્રેન માટે ગુજરાતના તમામ સ્ટેશન બનાવવાની કામગીરી અલગ અલગ સ્ટેજ ઉપર છે. વાપી સ્ટેશન માટે રેલ લેવલ સ્લેબની ૨૦૦ મીટરની કામગીરી પૂરી થઈ ગઈ છે. જ્યારે બીલીમોરામાં ૨૮૮ મીટર રેલ સ્તર સ્લેબ, સુરતમાં ૪૫૦ લેવ લેવલ સ્લેબ અને પ્લેટફોર્મ લેવલનું ૫૫૭ મીટર કામ પૂરું થયું છે. આ ઉપરાંત આણંદ ખાતે કોનકોર્સ સ્લેબ અને રેલ સ્તરની કામગીરી ૪૨૫ મીટર અને ૧૨૪ મીટર પ્લેટફોર્મ લેવલની કામગીરી થઈ છે. અમદાવાદ ખાતે ૪૩૫ મીટર કોન્કોર્સની કામગીરી થઈ છે.

SAKAL, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 3, Size:(12.69)cms X (5.23)cms.

100 % land acquisition for Bullet Train Project! In the route of Mumbai-Ahmedabad the construction work of undersea tunnel and bridges over 24 rivers is in progress.

बुलेट ट्रेनसाठी १०० टक्के भूसंपादन!

मुंबई-अहमदाबाददरम्यान समुद्राखालील बोगदा आणि २४ नद्यांवरील पुलांचे काम सुरू

मुंबई, ता. ८ : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे काम दोन्ही राज्यांत अतिशय वेगात सुरू झाले आहे. गुजरातमधील स्थापत्य कामांना वेग आला असून दोन्ही राज्यांतील जमीन अधिग्रहण १०० टक्के पूर्ण झाले आहे, अशी माहिती केंद्रीय रेल्वे मंत्री अश्विनी वैष्णव यांनी सोमवारी दिली.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी एकूण १३८९.४९ हेक्टर जमिनीची आवश्यकता होती. त्यामध्ये गुजरात राज्यात ९५१.१४ हेक्टर, डहाणूमध्ये ७.९० हेक्टर आणि महाराष्ट्रात ४२९.७१ हेक्टर जमिनीचे अधिग्रहण करायचे होते. गेल्या वर्षी गुजरातमध्ये १०० टक्के आणि महाराष्ट्रात ९६ टक्के भूसंपादन करून नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने बुलेट ट्रेनचे काम वेगाने सुरू केले होते.

उर्वरित जमीन अधिग्रहणाबाबत प्रक्रिया पूर्ण झाली आहे. स्वतः अश्विनी वैष्णव यांनी सोमवारी आपल्या एक्स अकाऊंटवरून त्याबाबत माहिती दिली.

नॅशनल हायस्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेडने दिलेल्या माहितीनुसार, आतापर्यंत मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे १२०.४ किमी गर्डर लाँच करण्यात आले असून २७१ किमी पिलर कास्टिंग पूर्ण झाले आहे. जपानच्या शिनकानसेनमध्ये वापरल्या जाणाऱ्या एमएएचएसआर कॉरिडॉर ट्रॅक सिस्टीमसाठी पहिले प्रबलित कॉंक्रीट (आरसी) ट्रॅक बेड टाकण्याचे काम सुरत आणि आणंद येथे सुरू झाले आहे. भारतात पहिल्यांदाच जे-स्लॅब गिट्टीविरहित ट्रॅक सिस्टीमचा वापर केला जात आहे. गुजरात येथील वलसाडमधील झारोली गावाजवळील २५० मीटर लांब आणि १२.६ मीटर व्यासाचा पहिला डोंगरातील बोगदा अवघ्या दहा महिन्यांत पूर्ण करून उल्लेखनीय टप्पा गाठण्यात आला आहे.

सहा नद्यांवरील पुलाचे काम पूर्ण

गुजरातमधील सुरत येथे एनएच ५३ वर ७० मीटर लांबीचा आणि ६७३ टन वजनाचा पहिला स्टील पूल उभारण्यात आला आहे. पार (वलसाड जिल्हा), पूर्णा (नवसारी जिल्हा), मिंधोला (नवसारी जिल्हा), अंबिका (नवसारी जिल्हा), औरंगा (वलसाड जिल्हा) आणि वेंगनिया (नवसारी जिल्हा) या एमएएचएसआर कॉरिडॉरवरील एकूण २४ पैकी सहा नद्यांवरील पुलांचे काम पूर्ण झाले आहे.

२१ किमी लांब बोगदा

महाराष्ट्रातील बीकेसी ते शिळफाटादरम्यान २१ किमी लांबीच्या बोगद्याचा एक भाग असलेल्या भारतातील पहिल्या सात किमीच्या समुद्राखालील रेल्वे बोगद्याच्या कामाची सुरुवात झाली आहे. मुंबई एचएसआर स्थानकाच्या बांधकामासाठी खोदकाम सुरू करण्यात आले आहे.

TIMES OF INDIA, Ahmedabad, 9.1.2024
Page No. 4, Size:(14.68)cms X (11.91)cms.

100% of land for bullet train project now acquired: Govt

Bridges Over Six Rivers Have Been Completed

TIMES NEWS NETWORK

Ahmedabad: Land acquisition for the Ahmedabad-Mumbai high-speed rail corridor was completed on Monday.

This information was released by railway minister Ashwini Vaishnaw, who said that all 1,389.49 hectares of land required has been acquired.

The National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL) in a statement said on Monday that land was acquired for the project in Gujarat, Maharashtra and Dadra and Nagar Haveli. It said all civil contracts for the project in Gujarat and Maharashtra have been awarded, 120.4km of girders have been launched and 271km of pier casting has been completed.

TOI

HSR stations at Vapi, Bilimora, Surat, Bharuch, Anand, Vadodara, Ahmedabad and Sabarmati in Gujarat are at various stages of construction

NHSRCL officials said work on the bullet train was going on at pace. The statement said laying of the reinforced concrete (RC) track bed for the corridor had started in Surat and Anand. The completion of the first mountain tunnel — 350m long and 12.6m in diameter — near Zaroli village in Valsad district was completed in just 10 months, a major feat.

The statement said work has begun on India's first undersea rail tunnel — 7km long and part of 21km of tunnels between Bandra-Kurla Complex and Shilphata in Maharashtra. Excavation for the Mumbai HSR station has also begun.

HSR stations at Vapi, Bilimora, Surat, Bharuch, Anand, Vadodara, Ahmedabad and Sabarmati in Gujarat are at various stages of construction, the statement said. The first steel bridge, spanning 70m and weighing 673 metric tonnes, was erected over NH 53 in Surat, and 16 such bridges out of 28 in the project are at various stages of fabrication, it said.

Bridge construction has been completed for six rivers — Par (Valsad district), Purna (Navsari district), Mindhola (Navsari district), Ambika (Navsari district), Auranga (Valsad district) and Venganiya (Navsari district) — of 24 on the corridor. Work on the Narmada, Tapi, Mahi and Sabarmati bridges is underway, it added.

SANDESH, Surat, 9.1.2024
Page No. 1, Size:(17.52)cms X (9.70)cms.

Bullet Train: 100% land acquisition work completed in Maharashtra too

ભારતમાં પહેલી વખત સ્લેબ બનાવવા માટે બેલાસ્ટલેસ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ

બુલેટ ટ્રેન : મહારાષ્ટ્રમાં પણ ૧૦૦ ટકા જમીન સંપાદન

આખરે ઉકેલ ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્રમાં તમામ સિવિલ વર્ક માટે એજન્સીઓને કોન્ટ્રાક્ટ આપી દેવાયા

। સુરત ।

વડાપ્રધાન નરેન્દ્ર મોદીના ડ્રીમ પ્રોજેક્ટ બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી બુલેટ ગતિએ આગળ ધપી રહી છે. ગુજરાતમાં બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી પહેલાંથી પુરજોશમાં ચાલી કરી છે. પરંતુ હવે મહારાષ્ટ્રમાં પણ કામગીરીએ વેગ પકડ્યો છે. કેમકે, મહારાષ્ટ્રમાં જમીન સંપાદનની ૧૦૦ ટકા કામગીરી પૂર્ણ થઈ ચૂકી છે. આ સાથે જ બુલેટ ટ્રેનના સમગ્ર પ્રોજેક્ટ માટે થનારી ૫૦૮ કિલોમીટર વિસ્તારની જમીન સંપાદનની કામગીરી પૂરી થઈ ચૂકી છે.

સુરત-અમદાવાદ વચ્ચે ૫૦૮ કિલોમીટર રૂટ પર બુલેટ ટ્રેન દોડશે. ગુજરાત, મહારાષ્ટ્ર અને દાદર, નગર હવેલીમાંથી બુલેટ ટ્રેન પસાર થશે. ત્યારે બુલેટ ટ્રેન માટે જમીન સંપાદનની કામગીરી લાંબા સમયથી ચાલી રહી હતી. ગુજરાત અને દાદરા-નગર હવેલીમાં ૧૦૦ ટકા જમીન સંપાદનની કામગીરી પૂરી થઈ ગઈ હતી. પરંતુ મહારાષ્ટ્રમાં સૌથી છેલ્લે સંપાદનની કામગીરી શરૂ થઈ હતી, પરંતુ હાલ મહારાષ્ટ્રમાં પણ જમીન સંપાદનની ૧૦૦ ટકા કામગીરી પૂરી થઈ ચૂકી છે. આ સાથે જ બુલેટ ટ્રેનના ૫૦૮ કિલોમીટર લાંબા રૂટની સમગ્ર જમીન સંપાદન થઈ ગઈ છે. બીજા શબ્દોમાં કહીએ તો બુલેટ ટ્રેનના ટ્રેકની તમામ બાધાઓ દૂર થઈ ગઈ છે. આ ઉપરાંત ગુજરાત અને મહારાષ્ટ્રમાં સિવિલ વર્કની સમગ્ર કામગીરી માટે કોન્ટ્રાક્ટ આપી દેવાયો છે. તેમજ ભારતમાં પહેલી વખત સ્લેબ માટે બેલાસ્ટલેસ ટ્રેક સિસ્ટમનો ઉપયોગ કરાઈ રહ્યો છે. ઉપરાંત જાપાનીઝ શિંકનસેનમાં ઉપયોગમાં લેવાતી એમએએચએસઆર કોરિડોર ટ્રેક સિસ્ટમ માટે રિઈનફોર્સ્ડ કોંક્રિટ ટ્રેક બેડ પાથરવાની શરૂઆત સુરત અને આણંદમાં થઈ ગઈ છે.

બુલેટ ટ્રેનની કામગીરી સાથે સાથે

- **352** કિ.મી.માં પિલર ઊભા કરી દેવાયા
- **120.4** કિ.મી.માં ગર્ડર લોંચ કરી દેવાયા
- **152** કિ.મી.માં ગર્ડર કાસ્ટિંગ પૂર્ણ
- **294.5** કિ.મી.માં ફાઉન્ડેશનની કામગીરી થઈ
- **28** પુલ પૈકી ૧૭ ગુજરાતમાં અને ૧૧ મહારાષ્ટ્રમાં

ગુજરાતના આઠ, મહારાષ્ટ્રના ત્રણ સ્ટેશનની કામગીરીનો આરંભ

બુલેટ ટ્રેન માટે ગુજરાતમાં સુરત, વડોદરા, ભરૂચ, બીલીમોરા, આણંદ, અમદાવાદ અને સાબરમતી જ્યારે મહારાષ્ટ્રમાં બોઈસર, વિરાર અને થાણે ખાતે સ્ટેશન બનાવવાની કામગીરી શરૂ થઈ ચૂકી છે. આ દરેક સ્થળે સ્ટેશન બનાવવાની કામગીરી અલગ અલગ સ્ટેજ ઉપર છે. વાપી સ્ટેશન માટે રેલ લેવલ સ્લેબની ૨૦૦ મીટરની કામગીરી પૂરી થઈ ગઈ છે. જ્યારે બીલીમોરામાં ૨૮૮ મીટર રેલ સ્તર સ્લેબ, સુરતમાં ૪૫૦ લેવ લેવલ સ્લેબ અને પ્લેટફોર્મ લેવલનું ૫૫૭ મીટર કામ પૂરું થયું છે. આ ઉપરાંત આણંદ ખાતે કોન્કોર્સ સ્લેબ અને રેલ સ્તરની કામગીરી ૪૨૫ મીટર અને ૧૨૪ મીટર પ્લેટફોર્મ લેવલની કામગીરી થઈ છે. અમદાવાદ ખાતે ૪૩૫ મીટર કોન્કોર્સની કામગીરી થઈ છે.

ગુજરાતના ૧૭ અને મહારાષ્ટ્રના ૧૧ સ્ટીલ પુલના માળખા તૈયાર

બુલેટ ટ્રેનના માર્ગમાં NH-૫૩ ઉપર કુલ ૨૮ પુલ બાંધવામાં આવેશે. જે પૈકી ૧૬ પુલ માટે ફેબ્રિકેશનની કામગીરી વિવિધ તબક્કામાં છે. અત્યાર સુધી ગુજરાતમાં ૧૭ અને મહારાષ્ટ્રમાં ૧૧ ઓવરબ્રિજ, નાના પુલની કામગીરી માટે સ્ટીલના માળખા તૈયાર કરી દેવામાં આવ્યા છે.

TIMES OF INDIA, Delhi, 9.1.2024
Page No. 11, Size:(3.74)cms X (15.40)cms.

Land acquisition for bullet train complete, 5 yrs after it began

Dipak.Dash@timesgroup.com

New Delhi: The government has achieved 100% acquisition of land for the country's first high-speed rail project between Ahmedabad and Mumbai, five-and-a-half years after the first notification for acquiring land for this project was issued, indicating how difficult and time-taking the process is for any infrastructure works.

Railway minister Ashwini Vaishnaw on Monday announced that the transporter has acquired 1,389.5 hectares of land for the project in Gujarat, Maharashtra, and Dadra & Nagar Haveli. He added that the National High Speed Rail Corporation Ltd has completed pier casting for 268.5 km out of the total 508.2 km corridor, and has completed girder launching for 120 km. Vaishnaw said the first trial run of the bullet train will start in August 2026.

The government has maintained that the execution of the bullet train project has been impacted due to delay in land acquisition and delays in finalisation of contracts as well as adverse impact of the pandemic. "Land acquisition had come to standstill during the tenure of MVA government led by Uddhav Thackeray. After Eknath Shinde took over, there has been remarkable progress in land acquisition and getting clearances for the project," a railway ministry official said.

TIMES OF INDIA, Mumbai, 9.1.2024
Page No. 3, Size:(11.13)cms X (12.67)cms.

MUMBAI-A'HD BULLET TRAIN PROJECT PICKS PACE AS 100% LAND ACQUISITION ACHIEVED

Sanjay Takke

National High Speed Rail Corporation Ltd (NHSRCL), which is executing the Mumbai-Ahmedabad High Speed Rail Corridor, has finally achieved 100% land acquisition, reports **Manthan K Mehta** The announcement was made by railway minister Ashwini Vaishnaw on social media platform X (formerly twitter) on Monday. A total of 1,389 hectares of land was required, including 951.14 ha in Gujarat, 430.45 ha in Maharashtra and 7.9 ha in Dadra and Nagar Haveli. The 508-km-long corridor originates from BKC in Maharashtra and goes underground for 21km, including 7km below the sea, till Shilphata, before taking the elevated path till its terminus station in Sabarmati, Gujarat. Of the 508km, 348km is in Gujarat, 156km in Maharashtra and 4km in Dadra & Nagar Haveli. Nearly 92% of the bullet train corridor will be elevated and 6% will be via tunnels. In Maharashtra, work has commenced for India's first 7km undersea rail tunnel, which is part of the 21-km-long tunnel between BKC and Shilphata.

Also, excavation works for construction of Mumbai HSR station at BKC has started. NHSRCL spokesperson said, "At BKC station, 99% secant pile work is completed. Anchor fixing work has started that will facilitate excavation for second level."

VEER ARJUN, Delhi, 9.1.2024
Page No. 8, Size:(11.95)cms X (12.24)cms.

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में भूमि अधिग्रहण का काम 100 फीसदी पूरा

अहमदाबाद, (भाषा)। नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) ने सोमवार को कहा कि उसने गुजरात, महाराष्ट्र और दादरा व नगर हवेली में मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर (एमएचआरसी) के लिए भूमि अधिग्रहण का काम 100 प्रतिशत पूरा कर लिया।मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर को बुलेट ट्रेन परियोजना के रूप में भी जाना जाता है।रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर भूमि अधिग्रहण की जानकारी साझा करते हुए कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक 1389.49 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण कर लिया गया है।मुंबई और अहमदाबाद के बीच उच्च गति वाली रेल लाइन का निर्माण किया जा रहा है।एनएचएसआरसीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा कि परियोजना के लिए सभी अनुबंध गुजरात और महाराष्ट्र को दे दिए गए थे जबकि 120.4 किलोमीटर गार्डर बिछा दिए गए है और 271 किलोमीटर तक खंभे लगा दिए गए है।विज्ञप्ति के मुताबिक, एमएचआरसी गलियारा ट्रैक सिस्टम के लिए जापानी शिंकानसेन में उपयोग किए जाने वाले रीइन्फोर्स्ड कंक्रीट (आरसी) ट्रैक बेड को बिछाने का काम भी सूरत और आनंद में शुरू हो गया है। यह पहली बार है जब भारत में जे-स्लैब गिट्टी रहित ट्रैक प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है। एनएचएसआरसीएल ने कहा कि सिर्फ 10 महीने में गुजरात के वलसाड जिले में जरोली गांव के समीप 12.6 मीटर व्यास और 350 मीटर लंबी पहली माउंटेन टनल का निर्माण पूरा कर लिया गया है। विज्ञप्ति के मुताबिक, गुजरात के सूरत जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर 70 मीटर लंबा और 673 मीट्रिक टन वजन वाला पहला स्टील पुल बनाया गया है।